बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 21 ● अंक: 253 ● नई दिल्ली ● वीरवार 19 मई 2022 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

मो. 08750202102

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

हिंदू महासभा का दावा- जामा मस्जिद के नीचे देवी-देवताओं की मूर्तियां, पीएम को लिखा लेटर

नई दिल्ली । वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, कुतुब मीनार और ताजमहल बाद हिंदू संगठनों के निशाने पर अब दिल्ली की जामा मस्जिद भी आ गई है। हिंदू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि ने दावा है कि जामा मस्जिद के नीचे हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। इस पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री को चिट्ठी लिखकर जामा मस्जिद के चबूतरे और सीढ़ियों की खुदाई कराके उन्हें निकलवाने की अपील की है। स्वामी चक्रपाणी ने शाही इमाम से जामा मस्जिद की खुदाई करने की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस तरह जो भी सच्चाई होगी वो लोगों के सामने आ जाएगा। हिंदू महासभा ने ये मांग तब की है जब वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने का दावा किया जा रहा है। हालांकि अभी हिंदू पक्ष और मुस्लिम पक्ष के अलग अलग दावे हैं आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब स्वामी चक्रपाणि ने ऐसा बयान दिया हो। इससे पहले भी उनकी मांग थी कि दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ रखा जाना चाहिए, क्योंकि नाम का बहुत महत्व होता है।

22 मई से एक हो जाएंगे दिल्ली के तीन नगर निगम, गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली। दिल्ली में तीनों नगर निगमों का 22 मई को विलय हो जाएगा। इस संबंध में केंद्रीय गृहमंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। इस कदम के साथ ही दिल्ली के सभी 3 नगर निगम- उत्तर डीएमसी, दक्षिण डीएमसी और पूर्वी डीएमसी एक इकाई में विलय हो जाएंगे। दिल्ली नगर निगम (संशोधन) अधिनियम, 2022 को अप्रैल महीने में ही संसद ने अपनी मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हस्ताक्षर के बाद बिल ने कानून का रूप ले लिया। अब सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है।

क्या है तीनों निगमों को एक करने वाला बिल

272 वार्डो की संख्या घटाकर अधिकतम 250 तक निर्धारित करने की बात कही गई है। इसके अलावा बिल में एमसीडी एक्ट में कई चीजों में संशोधन की बात है। विधेयक पारित होने पर ये एमसीडी को 2011 से पहले की स्थिति में नहीं लौटाएगा। विधेयक में ऐसे खंड हैं जो नई एमसीडी को पुराने एमसीडी से बहुत अलग बनाएंगे। सीटों की संख्या कम करने का मतलब है एक नया परिसीमन किया जाएगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि जिसमें कम से कम तीन से छह महीने लगने की संभावना है। यदि ऐसा होता है तो राज्य चुनाव आयोग के अनुसार अप्रैल में होने वाले एमसीडी चुनाव में काफी देरी होगी। विधेयक के सबसे महत्वपूर्ण प्रावधानों में से एक है जो केंद्र को एकीकृत एमसीडी की पहली बैठक होने तक एक विशेष अधिकारी नियुक्त करने की अनुमति देता है। इसका मतलब है कि जब तक चुनाव संपन्न नहीं हो जाते, केंद्र निगम को चलाने के लिए एक अधिकारी की नियुक्ति कर सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तन सभी स्थानों पर सरकार शब्द को केंद्र सरकार के साथ प्रतिस्थापित करना है।

1993 से पहले दस साल निगम के माध्यम से चलती थी दिल्ली

बता दें कि 1993 से पहले कई सालों तक दिल्ली इसी स्थिति में नगर निगम के माध्यम से ही चलती थी। दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 लाया गया जिससे नगर निगम का गठन हुआ। फिर सितंबर 1966 में दिल्ली प्रशासन अधिनियम, 1966 के तहत विधानसभा को दिल्ली महानगर परिषद द्वारा 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों के साथ बदल दिया गया।

दिल्ली नगर निगम (संशोधन) अधिनियम, 2022 को अप्रैल महीने में ही संसद ने अपनी मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हस्ताक्षर के बाद बिल ने कानून का रूप ले लिया। अब सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है।

दिल्ली के उपराज्यपाल इसके प्रमुख थे। परिषद के पास कोई विधायी शक्तियां नहीं थीं, केवल दिल्ली के शासन में एक सलाहकार की भूमिका थी। इसने 1990 तक कार्य किया। 1991 में 69वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1991 और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र अधिनियम के माध्यम से विधानसभा एवं मंत्री-परिषद से संबंधित संवैधानिक प्रावधान निर्धारित किए। वर्ष 2011 में शीला दीक्षित ने इसके तीन टुकड़े कर दिए। कारण राजनीतिक रहे होंगे कि तीनों नगर निगम उनके अधीन हो जाएंगे और उनके तीन महापौर बन जाएंगे, क्योंकि उस समय दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पर भाजपा का कब्जा था।

बिल का मकसद

एमसीडी एक्ट में संशोधन कर तीनों एमसीडी को करना क्यों जरूरी बन गया था, इस संग समझें विषय में विस्तार से बताया गया है। इसमें तीनों एमसीडी के आर्थिक स्थिति मुख्य कारण माना गया है। दिल्ली सरकार ने 2011 में एमसीडी में बांट दिया था। तीनों एमसीडी को एक करने के लिए केंद्र दोबारा एक्ट में संशोधन करने के लिए ये बिल लोकसभा में पेश किया।

दिल्ली। बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का उदघाटन कमेटी अध्यक्ष उपासिका श्रीमती बच्चन देवी भारती एवं संयोजक विजय कुमार भारती के सानिध्य में जय किशन, पूर्व विधायक, उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी से रिबन काटवाकर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया गया।

मोदी सरकार ने ऐसे हालात पैदा किए कि राजीव का हत्यारा रिहा हो गया: कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में दोषी ए.जी. पेरारिवलन को रिहा करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने ऐसे हालात पैदा किए कि अदालत को यह निर्णय देना पड़ा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि आतंकवाद को लेकर सरकार का यह रवैया निंदनीय है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उच्चतम न्यायालय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे करोड़ों भारतीय नागरिकों की भावना आहत हुई है, क्योंकि न्यायालय ने राजीव गांधी जी के एक हत्यारे को रिहा कर दिया है। तथ्य बड़े स्पष्ट हैं और जिम्मेदार मोदी सरकार है। उनके अनुसार, 9 सितंबर, 2018 को तमिलनाडु की तत्कालीन अन्नाद्रमुक-भाजपा सरकार

राजीव गांधी हत्याकांड में आरोपी एजी पेरारिवलन को सुप्रीम कोर्ट ने आज रिहा का आदेश दिया। वहीं इस पर कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

ने उस समय के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को सिफारिश भेजी कि राजीव गांधी जी की हत्या के सभी सात दोषियों को रिहा कर दिया जाए।

राज्यपाल ने कोई निर्णय नहीं लिया। उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए मामला राष्ट्रपति को भेज दिया। राष्ट्रपति ने भी ने कोई निर्णय नहीं लिया। सुरजेवाला ने दावा किया कि इस विलंब और भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने के कारण एक हत्यारे को रिहा कर दिया। अब सभी दोषी रिहा हो जाएंगे। उन्होंने सवाल किया कि मोदी जी, क्या आपका यही राष्ट्रवाद है? क्या आपका तौर-तरीका है कि कोई निर्णय ही नहीं लो और उस आधार पर अदालत राजीव गांधी जी के हत्यारे को रिहा कर दे?'' कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस आधार पर निर्णय हुआ है उस आधार पर तो हजारों तमिल कैदियों को छोड़ दिया जाना चाहिए और देश में आजीवन कारावास के लाखों कैदी हैं, उनको भी छोड़ दिया जाना चाहिए। सुरजेवाला ने कहा कि यह कांग्रेस के एक नेता का सवाल नहीं है, बल्कि राजीव गांधी जी हमारे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने देश के लिए कुर्बानी दी। सरकार का रुख निंदनीय है और इसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। देश के लोग देख लें कि इस सरकार का आतंकवाद को लेकर रवैया क्या है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड मामले में दोषी ए.जी. पेरारिवलन को रिहा करने का बुधवार को आदेश दिया, जो उम्रकैद की सजा के तहत 30 साल से अधिक समय से जेल में बंद है। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया।

फैक्ट्री की दीवार गिरने से 12 की मौत, मृतक परिवारों को मुआवजे का ऐलान

अहमदाबाद ।

गुजरात के मोरबी के हलवाड़ जीआईडीसी में एक नमक कारखाने की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि एक शख्स घायल हुआ है। उसका इलाज एक अस्पताल में चल रहा है। हादसे पर पीएम मोदी और सीएम भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतक परिवारों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद का ऐलान किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को गुजरात के मोरबी में स्थित नमक फैक्ट्री की दीवार ढह गई। दीवार गिरने से फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिक इसकी चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। उन्हें पोस्टमार्टम के लिए हलवाड़ के एक सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। हादसे में एक व्यक्ति घायल है और पास के अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे हुई और पुलिस दीवार गिरने के कारणों की जांच कर रही है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि यह घटना सागर केम फूड इंडस्ट्रीज में हुई, जिसे जीआईडीसी हलवाड़ में प्लॉट नंबर 61, 62 और 63 आवंटित किया गया है। कंपनी अन्य उत्पादों के साथ खाद्य नमक भी बनाती है। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने मोरबी में नमक कारखाने की दीवार गिरने की घटना में मारे गए हर श्रमिक के परिजनों को सीएम राहत कोष से 4 लाख रुपये देने की घोषणा की है। सीएम ने मोरबी जिला कलेक्टर और सिस्टम ऑपरेटरों को तत्काल बचाव और राहत कार्यों के निर्देश भी दिए।

गुजरात में दर्दनाक हादसा

मृतक परिवारों को 2-2 लाख- पीएमओ

उधर, मोरबी में हुए दर्दनाक हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएमओ की तरफ से किए गए ट्वीट में पीएम ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) की ओर से दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। जबकि, घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

शिवसेना सांसद संजय राउत की बढ़ी मुश्किलें, किरीट सोमैया की पत्नी ने किया 100 करोड़ की मानहानि का दावा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया ने बुधवार को यहां एक अदालत में शिवसेना सांसद संजय राउत के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दाखिल की है।

राउत ने उन पर ''100 करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले में शामिल रहने का आरोप लगाया है। मेधा ने सीवरी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल अपनी शिकायत में कहा कि पिछले महीने राउत द्वारा लगाये गये आरोप निराधार और अपमानजनक प्रकृति के हैं। भाजपा के पूर्व सांसद सोमैया की पत्नी ने कहा कि वह 15 और 16 अप्रैल की खबरें देखकर चकित रह गयीं कि राउत ने उन पर और उनके पति पर मीरा भायंदर नगर निगम के अधिकार क्षेत्र वाले इलाके में कुछ सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण और रख-रखाव को लेकर 100 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा, ''मीडिया के सामने दिये गये आरोपी के बयान मानहानि करने वाले हैं। आम जनता के सामने मेरी छवि को खराब करने के लिए बयान दिये गये। मेधा सोमैया ने अदालत से अनुरोध किया कि राउत को नोटिस जारी किया जाए और उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही शुरू की जाए।

गुजरात चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका पाटीदार नेता हार्दिक पटेल का इस्तीफा

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को जोरदार झटका लगा है। पार्टी के युवा नेता और कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने बुधवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

वे पिछले कुछ समय से नाराज चल रहे थे। उनका आरोप है कि पार्टी में उनके लिए अब कोई काम नहीं रह गया है। कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में मेरा हाल जैसे नए दूल्हे की नसबंदी करा दी गई हो। इस घटनाक्रम से पार्टी के अंदर मतभेद और गहरा गया है। बुधवार को उन्होंने ट्वीटर पर अपने इस्तीफे को सार्वजनिक करते हुए लिखा, आज मैं हिम्मत करके कांग्रेस पार्टी के पद और पार्टी की

प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। मुझे विश्वास है कि मेरे इस निर्णय का स्वागत मेरा हर साथी और गुजरात की जनता करेगी। मैं मानता हूं कि मेरे इस कदम के बाद मैं भविष्य में गुजरात के लिए सच में सकारात्मक रूप से कार्य कर पाऊँगा। हार्दिक पटेल के इस्तीफे के बाद गुजरात में सियासी चर्चे तेज हो गए हैं। उनका अगला कदम क्या होगा, इस पर तमाम तरह की

कुछ समय पहले उन्होंने कहा था, मुझे पीसीसी की किसी भी बैठक में आमंत्रित नहीं किया जाता है, कोई भी निर्णय लेने से पहले वे मुझसे सलाह नहीं लेते हैं, तो कार्यकारी अध्यक्ष पद का क्या मतलब है?

अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन चर्चा भाजपा में शामिल होने की है। हालांकि अभी इस पर हार्दिक पटेल की ओर से कोई बयान नहीं आया है। हार्दिक पटेल ने इस्तीफा देने के थोड़ी देर बाद ट्विटर पर प्रोफाइल फोटो भी बदल लिया।

पहले उन्होंने वह फोटो लगा रखा था, जिसमें कांग्रेस चुनाव चिह्न पंजा भी साथ नजर आ रहा था पर मौजूदा फोटो में वह हाथ बांधे नजर आ रहे हैं।

वकीलों की हड़ताल: ज्ञानवापी पर सुनवाई टली

हिंदू पक्ष की 2 मांगें; जहां शिवलिंग मिला, उसके नीचे तहखाने का सर्वे हो, फव्वारा है तो वाटर सप्लाई दिखाएं

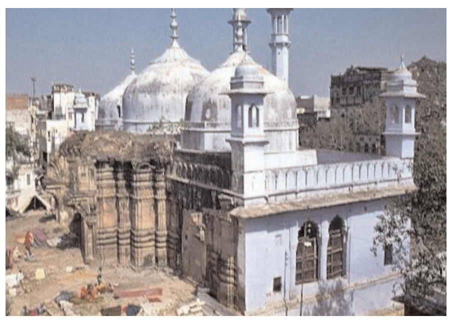

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में वाराणसी कोर्ट में बुधवार को होने वाली सुनवाई टल गई। वकीलों की हड़ताल के चलते अब केस पर कल यानी गुरुवार को सुनवाई होगी। कोर्ट ने गुरुवार को ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट भी दाखिल करने के आदेश दिए हैं। इससे पहले हिंदू पक्ष के दो वकील हरिशंकर जैन और विष्णु जैन मीडिया के सामने आए। उन्होंने दो नई मांगों का जिक्र किया। हरिशंकर जैन ने कहा, जहां शिवलिंग मिला है उसके नीचे तहखाने का सर्वे कराया जाना चाहिए। सामने की दीवार को साफ करके अच्छे तरीके से वीडियोग्राफी होनी चाहिए।

हमें उम्मीद है कि कोर्ट हमारे इस प्रार्थना पत्र पर तथ्यों और साक्ष्य के आधार पर फैसला सुनाएगी। वहीं, विष्णु जैन ने कहा, ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिले शिवलिंग को दूसरा पक्ष फव्वारा कह रहा है। अगर ऐसा है तो वह फव्वारा चलाकर दिखा दें। फव्वारा है तो वहां वाटर सप्लाई का पूरा सिस्टम भी होगा। ऐसे में प्रतिवादी पक्ष को जांच में ऐतराज क्यों है? उन्होंने यह भी दावा किया कि नंदी महाराज के सामने से व्यासजी के कक्ष से शिवलिंग तक रास्ता जाता है। कोर्ट से वहां खुदाई कराने की मांग की गई है।

हिंदू पक्ष के एक वादी ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर कोर्ट द्वारा कार्यमुक्त किए गए एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्रा से सर्वे रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा है। वादी ने कहा, 6 और 7 मई को ज्ञानवापी के सर्वे की कार्रवाई उन्हीं के द्वारा सम्पन्न की गई थी। अजय कुमार मिश्रा का सहयोग लिए बगैर रिपोर्ट अधूरी रहेगी। बता दें कि अजय मिश्रा पर मुस्लिम पक्ष ने ऐतराज जताते हुए उनको हटाने की मांग की थी। हालांकि, तब कोर्ट ने उनको नहीं हटाया था। बाद में सर्वे की जानकारी लीक करने के मामले में कोर्ट ने उनको हटा दिया था।

किसान खत्म करेंगे धरना, भगवंत मान सरकार के साथ बनी सहमति

चड़ीगढ़ । पंजाब सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई, जिसमें किसानों के हित में कई अहम फैसले लिए गए इस बैठक के बाद किसानों और पंजाब सरकार के बीच सहमति बन गई , पंजाब भवन में सीएम भगवंत मान और किसान नेताओं के बीच बैठक खत्म हो गई और किसान धरना खत्म करेंगे। सीएम भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने डीएसआर तकनीक अपनाने वाले किसानों के लिए 1500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन को मंजूरी दी। इसके लिए 450 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि अलग रखी गई है। पोखर विधि की तुलना में इस नेक पहल से 15-20त्न पानी की बचत होने की संभावना है। कैबिनेट बैठक में सीएम मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने शहीद सैनिकों के परिवारों को 50 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह अनुदान दरों को बढ़ाने की मंजूरी दी। कैबिनेट ने भूमि के बदले नकद की दरों में 40त्न की वृद्धि और विशिष्ट सेवा पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार को भी मंजूरी दी गई।

किसानों ने खोला मोर्चा

गेहूं की पैदावार कम होने पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस और 10 जून से पूरे पंजाब में धान की बुवाई शुरु करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर राज्य की राजधानी जाने से रोके जाने के बाद मंगलवार को चंडीगढ़-मोहाली सीमा के निकट धरने पर बैठ गए थे। नतीजतन, कुछ किसान मोहाली के अम्ब साहिब गुरुद्वारे तक पहुंचने में कामयाब रहे- जहां से उन्हें चंडीगढ़ जाना था। प्रदर्शनकारी किसान पूरी तैयार के साथ वहां पहुंचे हैं और उनके पास राशन, बिस्तर, पंखे, कूलर, बर्तन, रसोई गैस सिलिंडर सहित अन्य सामान है।

पंजाब के विभिन्न किसान संगठनों से संबंधित किसान गेहूं की पैदावार कम होने पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस और 10 जून से पूरे पंजाब में धान की बुवाई शुरु करने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि मुख्यमंत्री बुधवार तक उनके साथ बैठक नहीं करते हैं, तो वे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने के लिए अवरोधक तोड़ते हुए चंडीगढ़ की ओर बढ़ेंगे।

भगवंत मान ने विरोध को ''अनुचित और अवांछनीय'' बताया

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसानों के विरोध को ''अनुचित और अवांछनीय'' करार दिया था और किसान संगठनों से नारेबाजी बंद करने और पंजाब में घटते जल स्तर को रोकने के लिए राज्य सरकार का साथ देने का कहा था। मान ने कहा कि किसानों के लिए बातचीत के दरवाजे खुले हैं, लेकिन ''खोखले नारे'' घटते जल स्तर पर लगाम लगाने के उनके संकल्प को नहीं तोड़ सकते। उन्होंने यह भी कहा कि वह एक किसान के बेटे हैं और फसल उत्पादकों की समस्याओं से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

आर्थिक बदहाल श्रीलंका को उबारने की कवायद, एयरलाइन बेचने से लेकर नई करेंसी छापने तक की तैयारी

नई दिल्ली ।

देश के इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में हर बीतते दिन के साथ हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। जनता सड़कों पर हिंसक हो रही है, तो दूसरी ओर सियासी घमासान भी चरम पर है। लेकिन इन सबके बीच द्विपीय देश में आर्थिक संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा। अब नए प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे ने देश को मौजूदा संकट के उबारने के लिए सरकारी एयरलाइन बेचने और नई करेंसी छापने जैसे बड़े फैसले किए हैं।

गौरतलब है कि बीते गुरुवार को ही रनिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्होंने बड़े आर्थिक संकट को झेल रहे देश को उबारने के लिए स तरह के बड़े फैसले किए हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया कि विक्रमसिंघे की ओर से सरकारी एयरलाइन बेचने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा सरकार नई करेंसी छापने का भी फैसला कर रही है, क्योंकि वर्तमान हालातों को देखें तो सरकार के पास अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी पैसा नहीं हैं।

जरूरी सामनों के मोहताज जनता

श्रीलंका में बीते कुछ ही महीनों में आर्थिक संकट ने इस कदर विकराल रूप धारण कर लिया कि देश की जनता त्राहि-त्राहि करने लगी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका है जिसके चलते जरूरी सामानों का आयात करने में भी श्रीलंका सक्षम नहीं है। गौरतलब है कि देश अपनी जरूरत ज्यादातर चीजें आयात करता है। इसमें दवा से लेकर तेल तक सब शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका के कुल आयात में पेट्रोलियम उत्पादों की हिस्सेदारी पिछले साल दिसंबर में 20 फीसदी थी। लेकिन, विदेश मुद्रा भंडार में आई कमी के चलते श्रीलंका की सरकार ईंधन समेत जरूरी चीजों का आयात करने में विफल हो रही है। इससे देश में जरूरी सामनों की किल्लत होती जा रही है और इनके दाम दिन-ब-दिन आसमान छूते जा रहे हैं।

21.5 फीसदी के शिखर पर महंगाई

बीते दिनों जारी किए गए श्रीलंका में महंगाई के आंकड़ों को देखें तो यह मार्च में 21.5 फीसदी के नए उच्च

स्तर पर पहुंच चुकी है। यहां बता दें कि एक साल पहले समान अवधि यानी मार्च 2021 में यह 5.1 फीसदी पर थी। देश के जनगणना और सांख्यिकी विभाग की ओर से जारी किए गए इन आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका में खाद्य पदार्थों पर महंगाई की बड़ी मार पड़ी है और यह मार्च में 29.5 फीसदी पर पहुंच गई है। हालात ये हैं कि पेट्रोल-डीजल मिल नहीं रहा है और रोजमर्रा की चीजों के दाम पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं। इस बीच ऊर्जा संकट ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। अब हर दिन दस घंटे तक यहां के लोगों को बगैर बिजली रहना पड़ रहा है।

राष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

महंगाई की मार झेल रहे श्रीलंका में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इन प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प में लोगों की जान भी जा रही है। जनता देश में पैदा हुए इन हालातों के लिए राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे को जिम्मेदार ठहरा रही है और उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। इस बीच आपको बता दें कि संसद में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ विपक्ष की ओर से पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव मंगलवार को संसद में नाकाम साबित हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, 119 सांसदों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, जबकि केवल 68 सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जिससे यह अविश्वास प्रस्ताव असफल हो गया। मतलब इसने 72 वर्षीय राष्ट्रपति राजपक्षे अपने पद पर काबिज रहेंगे।

विश्व बैंक ने दी श्रीलंका कां सहायता

श्रीलंका को विश्व बैंक से 160 मिलियन डॉलर (12,40,84,16,000 रुपये) की सहायता मिली है। प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि आर्थिक संकट के कारण चल रहे ईंधन और गैस की कमी के बीच वह इसका कुछ हिस्सा ईंधन खरीदने के लिए इस्तेमाल करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। विक्रमसिंघे ने कहा कि उन्हें एडीबी (एशियाई विकास बैंक) से भी अनुदान मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक से प्राप्त पूरे धन का उपयोग ईंधन खरीदने के लिए नहीं किया जा सकता। विक्रमसिंघे ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत दो और पेट्रोल शिपमेंट इस सप्ताह और 29 मई तक आने वाले हैं। उनकी यह टिप्पणी तब आई जब आर्थिक संकट के कारण चल रहे ईंधन और गैस की कमी के विरोध में गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को यहां कई सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है।

भारी कर्ज के जाल में श्रीलंका

यहा बता दें कि देश में जो हालात खराब हुए हैं, उसकी सबसे बड़ी वजह देश पर चीन समेत अन्य देशों का भारी-भरकम कर्ज है। आर्थिक संकट के बीच बीते दिनों सरकार ने 51 अरब डॉलर (3 लाख 88 हजार करोड़ रुपये) के इस कर्ज को चुकाने में अपने हाथ खड़े कर दिए थे। देश के हालातों की बात करें तो यहां ऊर्जा संकट इस कदर गहराया हुआ है कि हर रोज दस घंटे से ज्यादा बिजली कटौती की जा रही है। लोगों को एक ब्रेड का पैकेट भी 0.75 डॉलर (150) रुपये में खरीदना पड़ रहा है। यहीं नहीं एक किलोग्राम चावल और चीनी की कीमत 290 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। मौजूदा समय में एक चाय के लिए लोगों के 100 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। एक किलो मिर्च की कीमत 710 रुपये हो गई, जबकि बैंगन की कीमत 51 फीसदी बढ़ी, तो प्याज के दाम 40 फीसदी तक बढ़ गए। एक किलो आलू के लिए 200 रुपये तक चुकाने पड़े।

एसएंडपी ने 7.3फीसदी तक घटाया भारत की वृद्धि दर का अनुमान

नई दिल्ली । भारत की आर्थिक वृद्धि दर मौजूदा वित्त वर्ष में 7.3 फीसदी रहेगी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट जारी कर वित्त वर्ष 23 के लिए भारत के विकास अनुमान को संशोधित करते हुए 7.8 फीसदी से घटाकर 7.3 फीसदी कर दिया है। अपने ग्लोबल मैक्रो अपडेट टू ग्रोथ फोरकास्ट में, एसएंडपी की ओर से कहा गया कि देश में महंगाई लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहना एक बड़ी चिंता का विषय है, जिसके लिए केंद्रीय बैंकों को दरों में और ज्यादा इजाफा करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, जहां चालू वित्त वर्ष के लिए विकास अनुमान को घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है, तो वहीं अगले वित्त वर्ष के लिए विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारे पूर्वानुमानों को संशोधित करने के लिए न केवल देश में बढ़ती महंगाई, बल्कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग का आगे बढ़ना भी जिम्मेदार है। इससे अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम और बढ़ सकता है। एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष में सीपीआई या खुदरा महंगाई दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में यह अनुमान भी जताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने बीते वित्त वर्ष (2021-22) में 8.9 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर्ज की है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और कमोडिटी की बढ़ती कीमतों के बाद, विभिन्न वैश्विक एजेंसियों ने हाल ही में भारत के विकास दर के अनुमान में कटौती की है। जहां एक ओर विश्व बैंक ने अप्रैल में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान को 8.7 प्रतिशत से घटाकर 8 प्रतिशत कर दिया था, वहीं आईएमएफ ने अनुमानों को 9 प्रतिशत से घटाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया था। इसके अलावा एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि आरबीआई ने अपने पूर्वानुमान को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया था।

शेयर बाजार फिर गुलजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

नई दिल्ली।

बाजार में एक बार फिर रौनक लौट आई है। सेंसेक्स 237 अंकों की बढ़त के साथ 54555 के स्तर पर कारोबार कर रहा है तो वहीं, निफ्टी 91 अंक ऊपर 16350 के स्तर पर है। निफ्टी 50 के 36 स्टॉक्स हरे और 14 लाल निशान पर हैं। आज सुबह की बढ़त गंवाकर शेयर बाजार एक बार फिर लाल निशान पर आ गया है। सेंसेक्स अब 99.91 अंक नीचे 54,218.56 के स्तर पर आ गया है तो वहीं, निफ्टी भी 20.10 अंकों के नुकसान के साथ 16,239.20 के स्तर पर है। अमेरिकी बाजारों में तेजी का असर घरेलू शेयर बाजार के शुरुआती कारोबार में दिख रहा है। आज बाजार की ओपनिंग मजबूती के साथ हुई है। बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 236 अंकों के बढ़त के साथ 54554 के स्तर पर खुला तो वहीं, निफ्टी ने भी कारोबार की शुरुआत हरे निशान के साथ 16,318.15 के स्तर से की। बता दें मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार की

तरह ही अमेरिका के बाजारों में रौनक रही। डाऊ जोंस 1.34 फीसद यानी 431 अंकों की उछाल के साथ बंद हुआ तो वहीं नैस्डैक ने 2.76 फीसद या 321 अंकों की छलांग लगाई। इसके अलावा एसएंडपी भी 2.02 फीसद की मजबूत बढ़त के साथ 4088 पर बंद हुआ।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 351 अंकों की अच्छी बढ़त के साथ 54669 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 114 अंक चढ़ कर 15,956 पर था। जबकि, निफ्टी 95 अंकों की तेजी के साथ 16354 के स्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी टॉप गेनर में आज टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस और इंडसइंड बैंक जैसे स्टॉक हैं तो टॉप लूजर में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, कोल इंडिया और ओएनजीएसी।

बता दें अमेरिकी शेयर बाजारों की तरह एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद के बीच बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक स्तर पर मजबूती के बीच धातु, ऊर्जा और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 1,345 अंक उछलकर 54,000 के पार पंहुचा गया। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में 2.5 फीसद से अधिक का उछाल आया। बता दें सेंसेक्स और निफ़्टी में 15 फरवरी, 2022 के बाद किसी एक दिन में दर्ज की गई यह सबसे बड़ी वृद्धि है। शेयर बाजार से मिले आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों का घरेलू बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी है। उन्होंने सोमवार को 1,788.93 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,344.63 अंक यानी 2.54 फीसद बढ़कर 54,318.47 पर पंहुचा गया। दिन के कारोबार के दौरान यह एक समय 1,425.58 अंक के उछाल के साथ 54,399.42 अंक तक पहुंच गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 417 अंक यानी 2.63 फीसद की बढ़त लेकर 16,259.30 अंक पर बंद हुआ। एनएसई में सूचीबद्ध सभी 50 शेयर लाभ में रहे। इनमें से सबसे ज्यादा इस्पात और ऊर्जा शेयरों में वृद्धि हुई।

हरी सब्जियों के दाम सुनकर आम आदमी के चेहरे खिले, किसानों के पड़े पीले

नई दिल्ली।

खुदरा बाजारों में हरी सब्जियों के दाम सुनकर जहां, आम आदमी के चेहरे खिल रहे हैं तो वहीं किसानों के चेहरे पीले पड़ जा रहे हैं। नेनुआ से लेकर भिंडी, तोरई तक और करेला से लेकर लौकी तक की लागत तो छोड़िए किसानों को इनकी तुड़वाई और मंडी तक का भाड़ा भी निकल नहीं पा रहा है। इन हरी सब्जियों के भाव आसमान से सीधे जमीन पर आ गए हैं। नेनुआ यानी तोरई 10 रुपये में 3 किलो बिक रहा है तो भिंडी को कोई पूछ नहीं रहा। करेला भी 5 रुपये पर आ गया है, जबकि शहरों में अभी भी हरी सब्जियां 20 से 30 रुपये किलो बिक रही हैं। दरअसल शादियों के सीजन के चलते हरी सब्जियों की डिमांड कम हो गई है। इसका असर ये है कि हरी सब्जियों में केवल परवल ही 20 से

30 रुपये किलो बिक रहा है। लोगों के आंसू निकालने वाला प्याज भी महंगाई की इस प्रचंड लहर में सहमा हुआ है। फुटकर में यह 20 से 30 रुपये किलो बिक रहा है। आलू के भी तेवर ढीले ही हैं। पिछले साल इन्हीं दिनों में 50 रुपये तक बिकने वाला आलू अब 14 रुपये किलो है। अभी कुछ दिन पहले नींबू आम लोगों का रस निचोड़ रहा था। यह भी अब 10 रुपये के चार मिल रहा है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के मथौली कस्बे में नेनुआ, भिंडी, तोरई, करेला, लौकी 5 रुपये किलो बिक रहे थे। वहीं, परवल 30 रुपये और टमाटर 60 रुपये किलो था। जबकि लोकल टमाटर 20 से 30 रुपये। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक पिछले एक महीने में टमाटर का खुदरा औसत भाव 54.74 प्रतिशत उछलकर 26.27 रुपये से 41.11 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं प्याज 9.18 फीसद सस्ता हुआ है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक प्याज 26.36 रुपये के औसत भाव से 23.94 रुपये पर आ गया है। शादी समारोहों में आलू की मांग को देखते हुए यह एक महीने में 7.82 फीसद चढ़कर 21.36 रुपये से 23.03 रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि अधिकतर खुदरा बाजारों में इसकी कीमत 10 से 20 रुपये प्रति किलो के बीच है।

इंडियन ऑयल का मुनाफा 31 फीसदी से ज्यादा घाटा

नई दिल्ली।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने अपनी चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए। परिणामों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी मुनाफा कम हुआ है, इसमें 31.4 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। बता दें कि कंपनी ने 6,021.88 करोड़ रुपये या 6.56 रुपये प्रति शेयर का एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया है, यह एक साल पहले समान अवधि में 8,781.30 करोड़ रुपये या 9.56 रुपये प्रति शेयर रहा था। कंपनी की ओर से पेश किए गए नतीजों को देखें तो कंपनी का मुनाफा इससे पिछली यानी तीसरी तिमाही के 5,860.80 करोड़ रुपये के मुकाबले ज्यादा है। कंपनी की ओर से मुनाफे में गिरावट को लेकर जारी किए गए बयान में कहा गया कि पेट्रोरसायन कारोबार में मार्जिन गिरने और वाहन ईंधन की बिक्री पर नुकसान की वजह से ऐसा हुआ है। इस संबंध में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, तेल कीमतों में जारी उछाल के साथ ऑपरेटिंग लागत मार्च तिमाही में बढ़कर 2.06 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समन अवधि में 1.63 लाख करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के बोर्ड ने 1:2 के अनुपात

में बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है। इसके तहत प्रत्येक दो मौजूदा इक्विटी शेयरों के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य का एक नया बोनस शेयर दिया होगा। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 की बात करें तो कंपनी ने 30,443.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 15 फीसदी ज्यादा है। कंपनी को बीते वित्त वर्ष एकल आधार पर 7.28 लाख करोड़ रुपये की आय हुई है।

एलआईसी के शेयरों में दूसरे दिन दिखी तेजी, अभी खरीदें, बेचें या होल्ड करें

नई दिल्ली । जीवन बीमा निगम के शेयर की कीमत आज सुबह शुरुआती कारोबार मे उच्च स्तर पर पहुंच गई। एलआईसी शेयर आज लगभग ?10 प्रति शेयर के भाव से ऊपरी अंतर के साथ खुले और ?891 के स्तर के इंट्रा डे उच्च स्तर पर पहुंच गए। हालांकि, बुधवार के उच्च स्तर पर प्रॉफिट बुकिंग ट्रिगर के बाद एलआईसी के शेयर जल्द ही इंट्राडे उच्च से वापस आ गए। बता दें मंगलवार को एलआईसी शेयर 8 प्रतिशत से अधिक की छूट पर लिस्ट हुआ था। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों ने लिस्टिंग प्रीमियम के लिए IPO पेशकश के लिए आवेदन किया था, वे स्टॉक को ?870 पर स्टॉप लॉस के साथ जारी रख सकते हैं और ?920 के स्तर से ऊपर ब्रेकआउट का इंतजार कर सकते हैं। ट्रेडिंगो के संस्थापक पार्थ न्याती ने मौजूदा स्तरों से एलआईसी शेयर की कीमत में सीमित गिरावट की उम्मीद करते हुए कहा, एलआईसी शेयरों में डाउनसाइड नए सूचीबद्ध शेयरों की कम फ्लोट प्रकृति के कारण सीमित होगा। एलआईसी शेयरों की कमजोर लिस्टिंग मुख्य रूप से उच्च अस्थिरता के कारण थी।

द्वितीयक बाजार और नकारात्मक शेयर बाजार की भावना भी एक वजह रही। जीवन बीमा निगम या एलआईसी भारत में बीमा का पर्याय है और यह एक अभूतपूर्व ब्रांड है। एलआईसी शेयरधारकों को स्टॉक को और आगे रखने की सलाह देते हुए जीसीएल सिक्योरिटीज के वाइस चेयरमैन रवि सिंघल ने कहा, जिन लोगों के पोर्टफोलियो में एलआईसी के शेयर हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे स्टॉप लॉस को बनाए रखने वाले स्टॉक को 870 रुपये के स्तर पर रखें। एलआईसी शेयर की कीमत एक बार तेज हो सकती है। यह समापन के आधार पर ?920 के स्तर पर ब्रेकआउट देता है। हालांकि, अगर यह अगले कुछ सत्रों में ब्रेकआउट देने में विफल रहता है, तो लाभ-बुकिंग ट्रिगर की संभावना है जिससे स्टॉक में तेज गिरावट आ सकती है। इसलिए, नए निवेशकों को कुछ समय के लिए इंतजार करने की सलाह दी जाती है। सत्र। नए निवेशकों के लिए अपने सुझाव पर, जीसीएल सिक्योरिटीज के रवि सिंघल ने कहा, नए निवेशकों को कुछ सत्रों तक इंतजार करने की सलाह दी जाती है क्योंकि एलआईसी के शेयर बंद होने के आधार पर 920 से ऊपर का ब्रेकआउट दे सकते हैं या ब्रेकआउट नहीं देने की स्थिति में प्राफिट बुकिंग कर सकते हैं। इसलिए, नए निवेशकों को प्रॉफिट-बुकिंग के लिए इंतजार करना चाहिए और लगभग 780 रुपये से 800 रुपये के स्तर पर स्टॉप लॉस को बनाए रखते हुए लगभग 735 रुपये के स्तर पर नई स्थिति लेनी चाहिए।

एक नजर

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी पर ब्रेक

नई दिल्ली। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन कीमती धातुओं के दाम में जारी तेजी पर ब्रेक लग गया। अगर आप आज आभूषण खरीदने का मन बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले सोने-चांदी के ताजा भाव जान लेना आपके लिए फायदेमंद होगा। एमसीएक्स पर बुधवार को सोने की कीमत में 0.56 फीसदी की गिरावट आई है और इसका भाव घटकर 49,890 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया है। इसके अलावा चांदी के दाम में भी 0.85 फीसदी की कमी आई है और यह 60,638 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं। आप जिस नंबर से मैसेज करते हैं उसी नंबर पर आपके मैसेज आ जाएगा। इस तरह आप घर बैठे सोने के लेटेस्ट रेट जान लेंगे।

अप्रैल के जीएसटी कर भुगतान की तारीख बढ़ी, सरकार ने इंफोसिस से कहा- जल्दी सुधारे कमियां

नई दिल्ली। जीएसटी पोर्टल पर करदाताओं को आ रही तकनीकी गड़बड़ी के चलते सरकार ने अप्रैल कर भुगतान की देय तिथि 24 मई तक बढ़ा दी और इंफोसिस को समस्या का जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इंफोसिस को जीएसटी की टेक्निकल जिम्मेदारी संभालने और इसका रखरखाव करने के लिए 2015 में 1,380 करोड़ रुपये का ठेका मिला था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने देर रात के ट्वीट में कहा कि अप्रैल 2022 के महीने के लिए फॉर्म जीएसटीआर-3बी दाखिल करने की नियत तारीख 24 मई 2022 तक बढ़ा दी गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने कहा कि पोर्टल पर अप्रैल 2022 के जीएसटीआर-2 बी के बनने और जीएसटीआर-3 बी के ऑटो जनरेशन में तकनीकी दिक्कतें आई हैं। इसे देखते हुए सरकार ने इंफोसिस को कहा है कि वह इसे सुधारे। आमतौर पर किसी महीने का विवरण अगले महीने की 12वीं तारीख को उपलब्ध होता है। इसके आधार पर ही टैक्स का भुगतान किया जाता है। अलग-अलग कैटेगरी के करदाताओं के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। रविवार को जीएसटी नेटवर्क ने एक एडवाइजरी जारी की थी जिसमें कहा गया था कि अप्रैल, 2022 के जीएसटीआर-2 बी में कुछ जानकारियां नहीं दिख रही हैं।

जेट एयरवेज की उड़ान का इंतजार! निवेशकों के बीच शेयर खरीदने की होड़

नई दिल्ली । 3 साल पहले आर्थिक संकट की वजह से बंद हो चुकी एयरलाइन जेट एयरवेज एक बार फिर उड़ान भरने को तैयार है। इससे पहले जेट एयरवेज के शेयर ने उड़ान भर दी है। बीते कुछ दिनों ने जेट एयरवेज का शेयर भाव ग्रीन जोन में है। निवेशकों के बीच जेट एयरवेज के शेयर की खरीदारी को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। सिर्फ बुधवार के कारोबार की बात करें तो शेयर भाव 3 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 108 रुपये के स्तर पर रहा। आपको बता दें कि पिछले सप्ताह तक शेयर का भाव 100 रुपये से भी नीचे रहा। मार्केट कैपिटल की बात करें तो 1,220 करोड़ रुपये से ज्यादा है। जानकारी के मुताबिक जेट एयरवेज के उड़ान परमिट को इस सप्ताह परमिट मिलने की उम्मीद है। कंपनी फिलहाल अंतिम चरण की 'प्रूविंग' या प्रमाणित उड़ानों का परिचालन कर रही है। प्रूविंग उड़ानों का संचालन यह दिखाने के लिए किया जाता है कि कोई एयरलाइन पूर्ण सेवाएं देने के लिए तैयार है। आपको बता दें कि जेट एयरवेज एयरलाइन ने तीन साल से अधिक समय पहले उड़ान भरना बंद कर दिया था। इस एयरलाइन को जालान कलरॉक गठजोड़ के स्वामित्व के तहत फिर खड़ा किया जा रहा है। जेट एयरवेज के अलावा बिग बुल राकेश झुनझुनवाला की एयरलाइन अकासा एयर भी उड़ान सेवाएं शुरू करने को तैयार हैं। अकासा एयर को एयरलाइन कोड भी मिल चुका है। ऐसा अनुमान है कि अगली तिमाही में यह एयरलाइन उड़ान सेवाएं शुरू कर दे।

अडानी विल्मर के शेयरों में लगा अपर सर्किट, स्टॉक खरीदने-बेचने को लेकर एक्सपर्ट की है ये सलाह

नई दिल्ली । काफी दिनों का निराशा के बाद एक बार फिर अडानी विल्मर के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयरों में आज अपर सर्किट लग गया। बुधवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली। यह तेजी आगे भी बरकरार रही और 636.55 रुपये के स्तर पर कंपनी के शेयरों में 5प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। NSE में अपने आल टाइम हाई 878 रुपये से गिरावट के बाद अब यह तेजी निवेशकों को सुकून देने वाली है। बता दें, अडानी विल्मर इस साल 135 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। ब्रोकरेज फर्म ICICI सिक्योरिटी निवेशकों को शेयर होल्ड करने की सलाह दे रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार खाद्य तेल के क्षेत्र में अडानी विल्मर एक मजबूत मार्केट लीडर है। ब्रोकरेज फर्म शेयर होल्ड करने की सलाह देते हुए कहते हैं, अडानी विल्मर का ब्रांडेड खाद्य तेल की इंडस्ट्री मे दबदबा है। वह एक मार्केट लीडर हैं। खाद्य तेल के बाजार में तगड़ी प्रतियोगिता की वजह से अडानी विल्मर को बढ़त प्राप्त है। ICICI सिक्योरिटीज की तरफ से आगे कहा जाता है कि अडानी विल्मर लिमिटेड तीन अलग-अलग प्रक्रिया का फायदा मिलता है। 1- खरीद एंव रसद, 2- फॉर्च्यून की ब्रांड वैल्यू और तीसरा वितरण प्रणाली का सरल होना है। पैक फूड बिजनेस के बढ़ावे को लेकर ICICI सिक्योरिटीज कहते हैं, अडानी विल्मर लिमिटेड की पैक फूड बिजनेस की बढ़ाने की योजना है। हमें विश्वास है कि इस क्षेत्र में सरप्राइज की गुंजाइश है। अडानी विल्मर ने पैक फूड बिजनेस में वृद्धि के लिए इंक्रीमेंटल Cape& में निवेश की योजना भी बनाई है।

एक नजर

दिल्ली के एलजी अनिल बैजल का अचानक इस्तीफा, निजी कारणों का दिया हवाला

नई दिल्ली । दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया है। नजीब जंग के बाद वह दिल्ली के एलजी बने थे। उन्हें दिसंबर 2016 में उपराज्यपाल नियुक्त किया गया था। प्रशासन को लेकर अकसर उनके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मतभेद रहते थे। 30 दिसंबर 2021 को बैजल का कार्यकाल पूरा हो गया था लेकिन उन्हें सेवा में विस्तार दिया गया था। वह पांच साल तक दिल्ली के उपराज्यपाल रहे। अधिकारों को लेकर भी दिल्ली के सीएम केजरीवाल और एलजी के बीच विवाद होता रहा है। बैजल 1969 बैच के आईएएस ऑफिसर रहे हैं। वह दिल्ली के 21वें उपराज्यपाल बनाए गए थे। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वह केंद्रीय गृह सचिव के रूप में काम कर चुके हैं। गृह सचिव रहने के दौरान ही उन्होंने किरण बेदी पर कार्रवाई की थी और उन्हें हेड ऑफ जेल्स के पद से हटा दिया था। उनपर जेल के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप था। अनिल बैजल ने कई मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पद संभाले। वह दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपसचिव के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साल 2006 में वह शहरी विकास मंत्रालय के सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूअल मिशन से जुड़े रहे।

5जी से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे : दूरसंचार सचिव

नयी दिल्ली। दूरसंचार सचिव के राजारमन ने बुधवार को कहा कि 5जी सेवाओं की शुरुआत से नई प्रौद्योगिकियों के लिए उपयुक्त कौशल की जरूरत होगी, जिससे बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजारमन ने दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद (टीएसएससी) के एक कार्यक्रम में कहा कि भारतनेट से लेकर अंतरिक्ष दूरसंचार और 5जी से लेकर ब्रॉडबैंड सेवाओं में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। उन्होंने उद्योग को इन उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभाशाली लोगों की 'पाइपलाइन' बनाने पर ध्यान देने का आह्वान भी किया। सचिव ने कहा, ''उपयोग के मामलों या तरीकों में बढ़ोतरी के साथ 5जी सेवाओं में वृद्धि होगी तथा प्रौद्योगिकी की प्रकृति और क्षमता की पेशकश के चलते कौशल की एक नयी श्रृंखला भी खुलेगी।'' दूरसंचार विभाग के शीर्ष अधिकारी ने 5जी की शुरुआत से ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि फिक्स्ड वायरलाइन ब्रॉडबैंड के भी तेजी से बढ़ने की काफी गुंजाइश है। अभी इस क्षेत्र में पहुंच का दायरा काफी सीमित है। यह क्षेत्र भी दो अंकीय वृद्धि हासिल कर सकता है।

सड़क दुर्घटना में दो बच्चों की मौत,तीन गंभीर रूप से घायल

नोएडा । नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के दादरी बाईपास के पास बुधवार दोपहर को एक कार के मोटरसायकिल को टक्कर मार देने से मोटरसायकिल सवार दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना जारचा क्षेत्र के पियावली गांव के रहने वाले अफजाल अपनी पत्नी हाजरा तथा तीन बच्चों के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही वह दादरी बाईपास के पास पहुंचे पीछे से आ रही एक कार का टायर फट गया और कार अनियंत्रित होकर उनकी मोटरसाइकिल से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो का उपचार चल रहा है। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा को बुधवार को उनके 89वें जन्मदिन पर बधाई दी और उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री और सम्मानित राजनेता एच डी देवगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें स्वस्थ और दीर्घायु जीवन दें। कर्नाटक के हासन जिले के सुदूर गांव हरदनहल्ली में 18 मई 1933 को जन्मे देवगौड़ा जून 1996 से अप्रैल 1997 के बीच 10 महीने तक देश के प्रधानमंत्री रहे थे।

रोहिणी कोर्ट में जज के चैंबर में लगी आग, सारा सामान जलकर खाक

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में कार्यरत अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भूपिंदर सिंह के चैंबर में बुधवार सुबह आग लग गई। उस समय सत्र न्यायाधीश अदालत कक्ष में मुकदमों पर सुनवाई कर रहे थे। अचानक करीब 11 :10 बजे चैंबर से धुंआ निकलते देख अदालतकर्मी ने न्यायाधीश को इसकी सूचना दी। जिसके बाद फायर बिग्रेड को फोन किया गया। मौके पर पहुंचाी फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों ने दूसरी मंजिल पर स्थित न्यायाधीश की चैंबर में लगी आग पर कुछ ही देर में काबू पा लिया। हालांकि न्यायाधीश के चैंबर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया है। इसके न्यायाधीश का निजी सामान भी शामिल है। अभी फायरकर्मी व पुलिस दोनों मौके पर हैं। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हालांकि प्राथमिक स्तर पर एसी की वजह से आग लगना मामना जा रहा है।

अशोक सम्राट बुद्ध विहार के द्वारा सुल्तानपुरी में बुद्ध पूर्णिमा पर भव्य शोभायात्रा व विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया

भव्य शोभायात्रा का उदघाटन कमेटी अध्यक्ष, उपासिका श्रीमती बच्चन देवी भारती एवं संयोजक विजय कुमार भारती के सानिध्य में जय किशन, पूर्व विधायक, उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी से रिबन काटवाकर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया गया

नई दिल्ली। (सवांददाताः–महेन्द्र सिंह)। तथागत गौतम बुद्ध के जन्म महोत्सव/बुद्ध पूर्णिमा, दिनांकः 16 मई, 2022 दिन सोमवार के शुभ अवसर पर अशोक सम्राट बुद्ध विहार प्रबंध कमेटी (पंजी.) के तत्वाधान में संस्थापक निर्वाण प्राप्त कैलाश चन्द भारती, अध्यक्ष, उपासिका श्रीमती बच्चन देवी भारती एवं संयोजक विजय कुमार भारती के सानिध्य में 20वीं, भव्य बुद्ध जंयति शोभायात्रा एवं विशाल भण्डारे का आयोजन अति हर्षो–उल्लास के साथ किया गया। जिसमें धम्म बंधुओं ने नाच–गाकर, भोजन ग्रहण किया।

भव्य शोभायात्रा का उदघाटन कमेटी अध्यक्ष, उपासिका श्रीमती बच्चन देवी भारती एवं संयोजक विजय कुमार भारती के सानिध्य में जय किशन, पूर्व विधायक, उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी से रिबन काटवाकर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया गया। शोभायात्रा में बैण्ड बाजे, बग्गी और तथागत गौतम बुद्ध, डॉ.बी.आर.अंम्बेडकर, संस्थापक स्वं. कैलाश चन्द भारती एवं अनागरिक गीता भारती की प्रतिमा सुन्दर रूप से सुसज्जित की गई और सैकड़ो की संख्या में बौद्ध अनुयायि साथ–साथ बुद्ध और भीम के नारो के साथ शांति का संदेश देते हुए, यात्रा में चलते रहे और

जगह–जगह शोभायात्रा का सम्मान भी किया गया, सोनू प्रधान के द्वारा जगह–जगह जलपान व बच्चो के लिए फ्रुट, जूस वितरण किए गए और सी–8 में बालमिकी मंदिर कमेटी के द्वारा विजय कुमार भारती, जयकिशन और अन्य बौद्ध अनुयायों का पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया व जलपान की व्यवस्था भी की गई और डी–ब्लॉक में गुरूद्वारा कमेटी के प्रदाकारियों ने भी शोभायात्रा के लिए जलपान की व्यवस्था की और जलेबी चौक पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जय किशन द्वारा जलपान, प्रसाद वितरण किया गया। जय किशन ने कहां बताया कि विश्व शांति के लिए भगवान बुद्ध द्वारा बताऐं गए मार्ग पर चलकर ही शांति स्थापित होगी, देश को युद्ध नही बुद्ध चाहिऐं। शोभायात्रा का विशेष रूप से सहयोग बाहरी जिला, दिल्ली पुलिस, उपायुक्त के द्वारा भारी बल तैनात कर शोभायात्रा को सुरक्षा प्रदान की गई।

शोभायात्रा अशोक सम्राट बुद्ध विहार (मन्दिर) बी–2 ब्लॉक, सुल्तानपुरी से आंरम्भ होकर बी–4, सी–8, सी–9, सी–6 के बीच वाले रोड़ व थाने वाले रोड़ से निकलकर सी–2, सी–4 से होती हुई अंबेडकर पार्क से बी–4, बी–3, बी–1, बी–2, ए–4, ए–3, ए–1, ए–2, डी–1, ई और एफ ब्लॉको के बीच वाले रोड़ से निकलती हुई अशोक सम्राट बुद्ध विहार पर समापन हुई शोभायात्रा में धम्म प्रेमी, महेन्द्र सिंह, ए.के.भारती, इन्द्रजीत, संजू, हरपाल सिंह (पत्रकार), राजू भारती, राजू पेन्टर, क्रांति, प्रदीप (घन्शु), लोकेश गांधी, गौतम, देवेन्द्र, लक्ष्मन, महेश कुमार, चन्दर, लेहरू, सुरज गुप्ता, लवली सिंह व अन्य सहित मौजूद थे।

सम्पादकीय

बढ़ती नफ़रत के बीच भाईचारे का स्तंभ लखनऊ का बड़ा मंगल

हिंदुओं के भगवान के लिए मनाए जाने वाले बड़े मंगल की कहानी करीब 400 साल पुरानी है। जब पहले मुगल शासक नवाब मोहम्मद अली शाह के बेटे की तबीयत ख़राब हो गई थी। कई जगह इलाज कराया लेकिन वो ठीक नहीं हुआ। इसके बाद नवाब की बेगम रूबिया बेटे की सलामती के लिए मन्नत मांगने अलीगंज के हनुमान मंदिर पहुंची। कहा जाता है कि उस वक्त मंदिर के पुजारी ने उनके बेटे को मंदिर में ही छोड़ जाने के लिए कहा था।

मैं लखनऊ हूं... मेरे दिल में आज भी हिंदू और मुसलमानों के लिए उतनी ही मुहब्बत है जितनी पहले हुआ करती थी। शायद मैं ही एक ऐसा शहर हूं, जहां एक मुग़ल बादशाह की पत्नी अल्लाह के साथ बजरंग बली की भी इबादत करती है। इस बात का जिक्र मैं सिर्फ इसलिए कर रहा हूं क्योंकि मेरे दिल में रहने वाले बाशिंदों ने अपने भाईचारे से मेरी संस्कृति को मरने नहीं दिया है। इसी संस्कृति का एक हिस्सा है बड़ा मंगल... यकीन मानिए हर लखनऊ वासी मई-जून या कहें ज्येष्ठ महीने में होने वाले बड़े मंगल का बेसब्री से इंतज़ार करता है। इंतज़ार हो भी क्यों न.. पूरे महीने लखनऊ शहर में जमकर भंडारा जो होता है। या यूं कहें कि इस महीने पूरे शहर में कोई भूखा नहीं सोता। आपको जानकर हैरानी होगी कि सिर्फ लखनऊ में ही बड़ा मंगल बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। ये बड़ा मंगल सिर्फ हिंदू धर्म की आस्था का प्रतीक ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए मान्यता रखता है। इस पर्व में हिंदुओं के साथ-साथ मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि धर्मों के लिए भी शामिल होते हैं। बड़े मंगल के दौरान पूरे शहर में हनुमान मंदिरों के बाहर कथा, पूजा-पाठ का आयोजन किया जाता है। वहीं हर धर्म के लोग शहर के अलग-अलग हिस्सों में भंडारे का आयोजन करते हैं। इन भंडारों में लोग अपनी-अपनी श्रद्धा के अनुसार खाना बनवाते हैं, कोई पूड़ी-सब्जी बांटता है, तो कोई कढ़ी चावल... वहीं चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए कई जगहों पर लोगों के लिए ठंडे पानी और शरबत का इंतज़ाम भी किया जाता है। बड़े मंगल के भंडारे में मिलने वाले खाने को लेकर लोग कहते हैं, कि इसके स्वाद जैसा कुछ नहीं होता। आज की तारीख में जब पूरा देश सांप्रादायिक हिंसा की आग में जल रहा है तो हर साल मनाया जाने वाला बड़ा मंगल लखनऊ की एक अलग ही छवि पेश करता है, जिसका अंदाज़ा आप इस पर्व के इतिहास को जानकर लगा सकते हैं। हिंदुओं के भगवान के लिए मनाए जाने वाले बड़े मंगल की कहानी करीब 400 साल पुरानी है। जब पहले मुगल शासक नवाब मोहम्मद अली शाह के बेटे की तबीयत ख़राब हो गई थी। कई जगह इलाज कराया लेकिन वो ठीक नहीं हुआ। इसके बाद नवाब की बेग़म रूबिया बेटे की सलामती के लिए मन्नत मांगने अलीगंज के हनुमान मंदिर पहुंची। कहा जाता है कि उस वक्त मंदिर के पुजारी ने उनके बेटे को मंदिर में ही छोड़ जाने के लिए कहा था। बेगम जब अपने बेटे को अगले दिन वापस लेने आईं तब तक उनका बेटा पूरी तरह से स्वस्थ्य हो चुका था। जिसके बाद नवाब की बेगम ने अलीगंज मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। नवाब की बेगम द्वारा लगाया गया प्रतीक चिह्न चांदतारा आज भी मंदिर के गुंबद पर एक मिसाल बना हुआ है। हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल बना अलीगंज का पुराना हनुमान मंदिर... सकरी गलियों से घिरा हुआ है, यहां हर साल पहले बड़े मंगल से मेला शुरू होकर करीब एक महीने तक चलता है, बड़ी बात ये है कि इस मेले में शामिले होने के लिए जितनी तादाद में हिंदू धर्म के लोग होते हैं, उतनी ही तादाद मुस्लिमों की भी होती है। यानी इस मेले में आप को लखनऊ का वो रंग दिख जाएगा, जिसके लिए वो जाना जाता है। ये कहना भी ग़लत नहीं होगा कि जब देश के अलग-अलग हिस्सों में कभी बुलडोज़र के ज़रिए, कभी उन्मादी नारों के ज़रिए दो धर्मों के बीच नफरत की आग बोई जा रही है, लोगों के खाने, पहनावे, रंग और भाषा पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, ऐसे में लखनऊ में बड़े मंगल के दौरान ये मेला तमाम रंगो, भाषाओं, पहनावों, खान-पान और धर्मों को खुद में समेटकर एक जवाब की तरह खड़ा है। बड़ा मंगल लखनऊ की धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक मान्यताओं का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस शहर में हमेशा गंगा-जमुनी तहज़ीब को बखूबी देखा जा सकता है। यहां एक मुसलमान मंदिर का निर्माण करवाता है और हिंदू मस्ज़िद का निर्माण करवाते हैं। यही वजह है कि इस भाईचारे और सौहार्द की मिसाल हमेशा दी जाती रही है।

मदद की प्रतीक्षा में बंगाल की चुनावी हिंसा के पीड़ित

बीते दिनों कश्मीर में आतंकियों ने एक और कश्मीरी हिंदू राहुल भट्ट की उनके कार्यालय में घुसकर हत्या कर दी। इसी के साथ कश्मीरी हिंदुओं के कश्मीर लौटने की संभावनाएं तो स्याह हुई हीं, यह भी खतरा पैदा हो गया कि वहां जो बचे-खुचे कश्मीरी हिंदू है वे सही-सलामत रह पाएंगे। राहुल भट्ट की हत्या पर किसी सेक्युलर-लिबरल के चेहरे पर शिकन तक देखने को नहीं मिली। कश्मीर के नेताओं ने रस्मी तौर पर चिंता जताई। कुछ ने तो राहुल की हत्या के लिए कश्मीर फाइल्स नामक उस फिल्म को दोष दिया, जो कश्मीर में रिलीज ही नहीं हुई, क्योंकि वहां सिनेमाघर ही नहीं। कोई कुछ भी दावा करे, कश्मीर से भगाए गए कश्मीरी हिंदुओं की वापसी तब तक संभव नहीं, जब तक कुछ वैसे कदम नहीं उठाए जाते, जैसे इजरायल ने अपने लोगों को अपनी भूमि में बसाने के लिए उठाए हैं। जैसे कश्मीरी हिंदुओं के घाटी जाकर बसने के आसार नहीं, वैसे ही बंगाल में वे कई लोग अपने घरों को लौटने की उम्मीद खो चुके हैं, जिन्हें पिछले विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने मार भगाया था। ये वे लोग हैं जो घोषित या फिर अघोषित तौर पर भाजपा, कांग्रेस या माकपा के वोटर थे। पिछले साल 2 मई को जैसे ही यह स्पष्ट हुआ कि ममता बनर्जी फिर से सत्ता में आने जा रही हैं, वैसे ही तृणमूल कांग्रेस के समर्थक विरोधी दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर टूट पड़े। उनके घरों-दुकानों पर हमले किए गए। उनकी महिलाओं से छेड़छाड़ और दुष्कर्म हुआ। उनकी संपत्ति लूटी या फिर जलाई। ये घटनाएं कई दिनों तक जारी रहीं, क्योंकि पुलिस ने मूकदर्शक बने रहना और हिंसक तत्वों के खिलाफ कुछ न करना ही बेहतर समझा। इस समझ के पीछे ममता का बार-बार यह कहना था कि कहीं कोई हिंसा नहीं हो रही है और तोड़फोड़, आगजनी की घटनाओं का जिक्र केवल उन्हें बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। नतीजा यह हुआ कि बंगाल पुलिस और निष्क्रिय हो गई और हिंसक तत्वों का दुस्साहस चरम पर पहुंच गया। उन्होंने बाकायदा पर्चे बांटकर उन सबके सामाजिक बहिष्कार का अभियान छेड़ दिया, जिनके बारे में तनिक भी यह संदेह था कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस को वोट नहीं दिया। हर तरफ और यहां तक कि केंद्र सरकार से भी हताश-निराश और डरे-सहमे लोगों ने जान बचाने और तृणमूल कांग्रेस के आतंक से बचने के लिए बंगाल छोड़ना ही बेहतर समझा। जब ऐसे लोग असम पहुंचे और उनके बारे में वहां के अखबारों ने लिखा, तब देश को पता चला कि बंगाल में 'खेला होबे' के नाम पर क्या गुल खिलाया गया है? राजनीतिक हिंसा के भय से इन लोगों का पलायन बंगाल ही नहीं, भारत के माथे पर भी एक कलंक था, लेकिन किसी को और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी कोई फर्क नहीं पड़ा। आतंकियों, जालसाजों, दंगाइयों के मामलों को तत्परता से सुनने वाले सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में चुनाव बाद की भीषण हिंसा का स्वत संज्ञान लेने की जरूरत नहीं समझी। जब इस बारे में याचिकाएं दायर हुईं तो भी उन्हें सुनने की कोई तत्परता नहीं दिखाई गई। गनीमत यह रही कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस हिंसा का संज्ञान लिया। उसने हिंसा, हत्या, दुष्कर्म, लूटपाट, आगजनी की जांच का काम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को सौंपा। इस आयोग ने अपनी जांच में कहा कि बंगाल में कानून का राज नहीं, शासकों का कानून चल रहा है। बंगाल सरकार के तमाम विरोध के बाद भी कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव बाद हिंसा की जांच सीबीआइ को सौंपी और एक विशेष जांच दल का गठन भी किया। सीबीआइ ने चुनाव बाद हिंसा में लिप्त कई लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन यदि आप यह उम्मीद कर रहे हैं कि इसके बाद हालात सामान्य हो गए होंगे, हिंसक तत्वों के दुस्साहस का दमन हो गया होगा, ममता सरकार को लज्जा आई होगी और पलायन करने वाले लौट आए होंगे, तो यह जान लें कि ऐसा नहीं हुआ। चुनाव बाद हिंसा में जो लोग गिरफ्तार किए गए, उनमें से कई जमानत पाकर बाहर आ गए। उनकी धमक और उनका आतंक कायम है। उनके भय से कई पीड़ित परिवार एक साल बीत जाने के बाद भी अपने घरों को लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पाए हैं। जो चंद लोग माफी मांगकर और भाजपा या फिर माकपा को वोट देने को अपनी 'भूल' मानकर लौटे, उन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित रखा गया। कुछ को दूसरे मोहल्लों में रहना पड़ रहा है तो कुछ को बार-बार अपना मकान बदलना पड़ रहा है। एक अंग्रेजी दैनिक के अनुसार केपीसी मेडिकल कालेज, जादवपुर के एक कर्मचारी को बीते एक साल में 12 बार घर बदलना पड़ा है। इसी दैनिक के अनुसार जादवपुर के 35 परिवार ऐसे हैं, जो पलायन के बाद अभी तक अपने घरों को नहीं लौट सके हैं। कुछ ने सदैव के लिए बंगाल छोड़ देना बेहतर समझा है। कुछ अपने दल के नेताओं के सहयोग से लौटे हैं, लेकिन डर के साये में रह रहे हैं। क्या इससे भले म्यांमार से मार भगाए गए रोहिंग्या नहीं, जिनके बारे में कम से कम दुनिया बात तो करती है? खुद भारत में ऐसे कई 'मानवतावादी' हैं, जो भारत आ घुसे रोहिंग्या को यहां बनाए रखने की चिंता में दुबले होते रहते हैं, लेकिन वे कभी बंगाल के प्रताड़ित-पीड़ित और पलायन करने वालों के बारे में एक शब्द नहीं कहते, क्यों? क्योंकि बंगाल में सेक्युलर सरकार है।

कांग्रेस की किसी भी चिंता को नहीं खत्म कर पाया चिंतन शिविर

कांग्रेस का चिंतन-शिविर समाप्त हो गया लेकिन क्या वह उसकी चिंता समाप्त कर पाया? कांग्रेस की चिंता तो अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। कांग्रेस की चिंता वास्तव में भारत के लोकतंत्र की भी चिंता है, क्योंकि सशक्त विरोधी दल के बिना कोई भी लोकतंत्र जल्दी ही प्रवाह पतित हो सकता है। वैसा लोकतंत्र बिना ब्रेक की मोटर गाड़ी बन जाता है। किसी भी पार्टी को सशक्त होने के लिए नीति और नेता की जरूरत होती है। हम देखें कि इस उदयपुर शिविर में से किस नीति का उदय हुआ है? सोनिया गांधी ने कहा कि अब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा चलाएगी। इस समय क्या भारत टूट रहा है? उसे जोड़ने की बजाय कांग्रेस को जोड़ना ज़्यादा ज़रूरी है। कांग्रेस अंदर और बाहर दोनों तरफ से टूट रही है। स्वयं राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा है कि कांग्रेसी नेता हमेशा यही सोचते रहते हैं कि मुझे क्या मिला? (वैसे सोनिया, राहुल और प्रियंका को तो यह सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ती है।) इसीलिए कांग्रेस हर प्रांत में अंदर से टूट रही है। मध्य प्रदेश में उसकी सरकार क्यों गिरी? राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों की कुर्सियां क्यों डगमगाती रहती हैं? कांग्रेस के कई मुख्यमंत्री और मंत्री पार्टी छोड़कर विरोधी दलों में क्यों शामिल हो रहे हैं? इस वक्त कांग्रेस की सरकारें जिन प्रांतों में हैं, वे प्रांतीय नेताओं के दम पर टिकी हुई हैं? इसीलिए राहुल गांधी का यह कहना तर्कसंगत नहीं लगता कि भाजपा से सिर्फ अकेली कांग्रेस ही लड़ सकती है, वह एक मात्र अखिल भारतीय विरोधी पार्टी है और वह एक मात्र ऐसी पार्टी है, जिसके पास विचारधारा है। यहां कम्युनिस्ट पार्टी का जिक्र जरूरी नहीं है लेकिन क्या यह सत्य है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की कोई विचारधारा नहीं है? राहुल का कहना है कि भाजपा सिर्फ सत्तालोभी और देशतोड़ू पार्टी है। क्या कांग्रेस सत्तालोभी नहीं है? भाजपा के पास तो सही या गलत, एक विचारधारा है लेकिन कांग्रेस के पास क्या है? न उसके पास गांधीवाद है, न समाजवाद है, न गरीबी हटाओ है और न ही 'भारत को महासंपन्न बनाओ' या 'महाशक्ति बनाओ' है। उसके पास सिर्फ सत्तारूढ़ दलों की लचर-पचर आलोचना है, जो लोगों के सिर पर से निकल जाती है। उसके नेताओं को इस समय देश की नहीं, खुद की चिंता है। इसी चिंता ने इस महान पार्टी को अब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना दिया है। उसी की देखादेखी लगभग सभी प्रांतों में पारिवारिक पार्टियां खड़ी हो गई हैं। इस चिंतन शिविर में एक भी वक्ता की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह इस पारिवारिक प्रपंच के विरुद्ध मुंह खोले। यह सुसंयोग है कि वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी अभी तक पारिवारिक प्रपंच में नहीं फंसी है, हालांकि वह भी लगभग उसी रास्ते पर चल पड़ी है। 50 साल से कम आयु के लोगों को प्रमुखता देने का इरादा तो ठीक है लेकिन उसमें से भी परिवारवाद की बू आ रही है। 'एक परिवार, एक टिकिट' की बात, उसमें भी 5 वर्ष की शर्त, क्या चोर दरवाजे से परिवारवाद को ही चलाना नहीं है?

माहवारी अवकाश : वरदान या अभिशाप?

जूडी बर्च बता रही हैं कि जब माहवारी के गंभीर लक्षण होते हैं, तब उन्हें कैसी दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। वे कहती हैं मैं कक्षा में बच्चों को पढ़ा रही थी, मेरा दर्द इतना तेज था कि मेरी आंखों से आंसू आ गए थे और मैं समझ ही नहीं पा रही थी कि मैं क्या करूं। स्वाभाविक तौर पर मुझे वहां से जाना पड़ा। माहवारी से जुड़े अध्ययनों के एक समग्र परीक्षण के मुताबिक़, प्रजनन की उम्र की महिलाओं में से 91 फ़ीसदी डिसमेनोर्रहिया से पीड़ित होती हैं, जिसमें से 29 फ़ीसदी को बेहद तेज दर्द होता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ फैमिली फिज़िशियन्स का कहना है कि डिसमेनोर्रहिया इतना गंभीर होता है कि यह 20 फ़ीसदी महिलाओं की रोजाना की गतिविधियों में हस्तक्षेप करता है। बर्च कहती हैं, मुझे उस स्थिति में सिर्फ़ संघर्ष ही करना पड़ता है। मैं ध्यान केंद्रित नहीं कर पाती हूं... कुल मिलाकर मैं ठीक से काम ही नहीं कर पाती हूं। दुनिया के कुछ देशों में महिलाएं अपनी माहवारी के दौरान कानूनी तौर पर दी गई छुट्टियां ले सकती हैं। लेकिन ऐसे माहवारी अवकाश की नीति विवादित है- इन पर लांछन लगाने और भेदभाव बढ़ाने के आरोप लगते हैं। यह तीव्र बहस का विषय बन जाती हैं और माहवारी अवकाश पर ध्यान ला पाना मुश्किल हो जाता है। लेकिन इसके बावजूद यूरोप में स्पेन इस तरह की छुट्टियां देने वाला पहला देश साबित हो सकता है। लीक हुआ कानून का प्रस्तावित मसौदा, जिसे स्पेन में मंत्री परिषद के सामने मंगलवार को पेश किया जाएगा, वह बताता है कि हर महीने तीन दिन की माहवारी छुट्टी मिलेगी। हालांकि अभी सारी जानकारी साफ नहीं है, लेकिन इसके लिए महिलाओं को गंभीर मासिक धर्म के लक्षणों का अनुभव होना जरूरी है और इसके लिए उन्हें चिकित्सकीय प्रमाणपत्र भी दिखाना होगा। स्पेन के सरकारी इंस्टीट्यूट ऑफ़ वीमेन (महिला संस्थान) की निदेशिका टोनी मोरिल्लास ने स्पेन के ऑनलाइन न्यूज़ आउटलेट पब्लिको को बताया, हमारे देश में.... हमें यह पहचानने में दिक्कत होती है कि मासिक धर्म एक शारीरिक प्रक्रिया है, जिसमें कुछ अधिकार होने चाहिए। मोरिल्लास ने ऐसा आंकड़े भी पेश किए, जो बताते हैं कि दो में से एक महिला को दर्द भरी माहवारी का अनुभव होता है। डीडब्ल्यू ने संस्थान और स्पेन के समता मंत्रालय से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फिलहाल इस पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। बता दें यह संस्थान, समता मंत्रालय के तहत ही आता है। नीति का मसौदा, जिसमें अब भी बदलाव किया जा सकता है, वह एक नए प्रजनन कानून का हिस्सा है, जो महिलाओं को गर्भपात की स्थिति में छुट्टी देने का प्रावधान करता है और 16 से 17 साल की महिलाओं को गर्भपात के लिए पालक की अनुमति की बाध्यता को खत्म करता है। यह कानून माहवारी से जुड़े उत्पादों, जैसे-पैड्स, टैंपॉन्स पर बिक्री शुल्क का खात्मा भी करता है। इटली की संसद ने 2017 में ऐसा ही मसौदा पेश किया था, जिस पर गहन बहस शुरू हुई थी कि क्या इससे काम की जगहों पर भेदभाव बढ़ेगा या नहीं? आखिरकार यह मसौदा आगे नहीं बढ़ा पाया। केवल कुछ ही देश- जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, इंडोनेशिया और जाम्बिया के पास ही ऐसी राष्ट्रीय नीति है, जिसमें भुगतान सहित माहवारी अवकाश दिया जाता है। इंडोनेशिया में किरोयन पार्टनर्स की सीईओ वेवे हिटिपेऊ ने कभी इस तरह की छुट्टियों लाभ उठाया था, अब नियोक्ता के तौर पर भी उन्हें इन छुट्टियों को देने की अनिवार्यता है। वे कहती हैं कि उन्होंने इन छुट्टियों को वक़्त-वक़्त पर इस्तेमाल किया है, क्योंकि उन्हें माहवारी के दौरान पेट में बहुत तेज दर्द होता था। वह कहती हैं, ठीक से बैठना भी बहुत मुश्किल होता था। अगर मुझे अपनी डेस्क या मेरे लैपटॉप के सामने रोज 8 से 9 घंटे बैठना पड़ता, तो मैं काम नहीं कर पाती थी। वह बहुत दर्द भरा समय होता था। हिटिपेऊ इस नीति को उनके लिए बहुत मददगार बताती हैं। वह कहती हैं कि हालांकि उन्हें कभी इन छुट्टियों को लेने या देने में दिक्कत नहीं हुई, लेकिन अब भी इन छुट्टियों को लेकर भेदभाव किया जाता है और लांछन लगाए जाते हैं, क्योंकि लोग सोचते हैं महिलाएं आलसी होती हैं और वे काम करना नहीं चाहतीं। उनके मुताबिक़, फैक्ट्रियों में काम करने वाली महिलाओं के साथ खासतौर पर ऐसा है, जहां उत्पादकता सीधे काम पर बिताए गए वक़्त से जुड़ी होती है। उत्पादन से जुड़े धंधों (जैसे फैक्ट्रियों) में काम करने वाली महिलाओं द्वारा छुट्टी लेने पर उनकी तरफ संशय से देखा जा सकता है। जापान ने 1947 में युद्ध के बाद सुधारों के दौरान माहवारी छुट्टियों को लागू किया था, लेकिन वहां छुट्टियां लेने की प्रवृत्ति पर नज़र डालने से पता चलता है कि यह इतना आसान नहीं है। निक्केई द्वारा करवाए गए हालिया सर्वे के मुताबिक़, सिर्फ़ 10 फ़ीसदी महिलाएं ही माहवारी छुट्टियां ले रही हैं, जबकि सर्वे में शामिल 48 फ़ीसदी महिलाएं इन्हें लेना चाहती थीं, लेकिन उन्होंने कभी ली नहीं। क्योंकि उन्हें अपने पुरुष बॉस के सामने इनके लिए आवेदन करने में झिझक महूसस होती है, क्योंकि बहुत कम महिलाएं इसके लिए छुट्टी लेती हैं। उदारवादी छुट्टियों की नीति वाले यूरोपीय देशों में भी माहवारी को आधार बताकर छुट्टी लेना आम नहीं है। नीदरलैंड में 2019 में 30 हजार से ज़्यादा डच महिलाओं के सर्वे में पाया गया कि माहवारी के दौरान सिर्फ़ 14 फ़ीसदी ने ही काम से छुट्टी ली, इसमें से भी 20 फ़ीसदी ने ही इसकी सही वज़ह बताई थी। 2020 में माहवारी अध्ययन पर प्रकाशित किताब में दर्ज एक गहन अकादमिक पेपर, काम की जगहों पर माहवारी की छुट्टियों के फायदे और नुकसान को बताता है। इस तरह की नीतियों के नकारात्मक परिणामों में ÷लिंग भेद वाले विचारों और व्यवहार का बढ़ना, जिससे लैंगिक सामान्यीकरण और माहवारी पर लांछन की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिससे लैंगिक वेतन का अंतर बढ़ता है और माहवारी का चिकित्सकीयकरण थोपा जाता है। पेपर कहता है कि इस तरह के नकारात्मक सामान्यीकरण में महिला भंगुरता, उत्पादकता में कमी और भरोसे की कमी शामिल होती है, जबकि माहवारी के चिकित्सकीयकरण में माहवारी को नकारात्कम ढंग से एक बीमारी कहा जाता है, जिसे ठीक किए जाने की जरूरत है। जैसा पेपर में बताया है, माहवारी, ट्रांसजेंडर और द्विलिंगी से भिन्न व्यक्तियों (नॉन-बाइनरी) में भी हो सकती है, उन्हें भी माहवारी छुट्टियां दी जानी चाहिए। बर्च के ब्रिटेन के नेटवर्क के अनुभव में अगर मासिक आधार पर महिलाएं नियमित छुट्टियां लेती हैं, तो उनमें से कई को काम की जगहों पर दंडित किया जाता है। उन्हें अनुशासित किया जाता है या नौकरी से निकाल दिया जाता है। वह कहती हैं कि माहवारी अवकाश नीति को लागू करवाने की क्षमता देश-देश के हिसाब से भिन्न होगी और यह अमेरिका जैसे देशों में बहुत मुश्किल होगी, जो बहुत कम भुगतान अवकाश देते हैं। बर्च के लिए स्पेन का प्रस्ताव पर्याप्त नहीं है। वह कहती हैं, जब आपको हर महीने उस तरीके का दर्द होता है, तो तीन दिन कुछ भी नहीं है। जब एक महिला बिस्तर में लेटी होती है, तो वह अपने पेट के निचले में हिस्से में दर्द के वक्त गर्म पानी की बोतल सटाकर रखती है। 10 में से एक महिला एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित होती है, जिसमें गर्भाशय के ऊतक, गर्भाशय के बाहर विकसित हो जाते हैं। इस तरह की स्थिति माहवारी को बेहद पीड़ादायी बना सकती है। उनका मानना है कि काम के समग्र माहौल को गंभीर माहवारी लक्षणों वाली महिलाओं को सहूलियत देने के लिए ज़्यादा लचीला बनाना होगा। 2020 के पेपर में यह भी एक बात थी, पेपर कहता है, अगर काम की जगह पर लचीलापन होता है, तो इससे आम तौर पर माहवारी से गुजरने वाली महिलाओं को लाभ होगा। (उदाहरण के लिए ज्यादा अवकाश दिया जाए, घर से काम करने की छूट दी जाए, मनमुताबिक ढंग से काम को माहवारी के दौरान ढाला जा सके)। और कुछ कंपनियां इस बिंदु पर काम करना शुरू कर रही हैं, यहां तक कि वे अपनी कंपनी नीतियों में इसे शामिल कर रही हैं। जोमेटो भारत के बाहर स्थित एक प्लेटफॉर्म है, जो खाना पहुंचाने के काम से जुड़ा हुआ है। कंपनी में अगस्त 2020 से माहवारी अवकाश की नीति अपनाई गई है। कंपनी की संचार प्रमुख वैदिका पाराशर इस ढांचे की व्याख्या करते हुए बताती हैं कि साल के दौरान 10 माहवारी छुट्टियां ली जा सकती हैं। यह घोषित अवकाश के अतिरिक्त अवकाश होता है। वह बताती हैं कि इसके लिए एक सम्मानित व्यवस्था की गई है। संबंधित कर्मचारी टीम चैट में लाल बूंद वाले कैलेंडर का इमोजी बनाकर इस छुट्टी को ले सकता है, इसमें फिर कोई सवाल नहीं पूछे जाते। वे भी इसका इस्तेमाल करती हैं। उन दिनों में से किसी एक दिन मैं वह इमोजी भेजकर दर्शा देती हूं कि मैं आगे काम के लिए उपलब्ध नहीं हूं। मैंने देखा है कि बहुत सारे सहकर्मी इसका सम्मान करते हैं। जोमेटो में इसे बहुत गंभीरता से लिया जाता है। वह बताती हैं कि माहवारी अवकाश लेने के लिए जोमेटो में कर्मचारियों को अपना स्टेट्स बलकर एक आंतरिक सिस्टम में लॉगइन करना होता है। कंपनी ने एक ऐसी संस्कृति बनाने की कोशिश की है, जहां माहवारी अवकाश से किसी भी तरह का लांछन ना जोड़ा जा सके। यह नीति सभी लिंग पर लागू होती है, इसमें ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। आपको इसके बारे में असहज महसूस नहीं करना चाहिए। यह एक जैविक क्रिया है। वह आगे कहती हैं कि इस नीति को लागू करने से बल्कि कंपनी की उत्पादकता में वृद्धि आई है। नीदरलैंड में महिलाओं के सर्वे से पता चला है कि गंभीर माहवारी के लक्षण के बावजूद 81 फ़ीसदी महिलाएं काम पर आई हैं, उन दिनों की संख्या साल में औसतन नौ है।

श्रीलंका की मौजूदा स्थिति ख़तरे से भरी

भारत श्रीलंका के इस संकट को लेकर अपने नज़रिये में ख़ुद को मुश्किलों के बीच फंसा हुआ पाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार श्रीलंका को एक नियमित लोकतंत्र के तौर पर अहमियत देती है। लेकिन, उस देश में जो स्थिति लगातार बनती जा रही है,वह खेल ख़त्म होने तक बदलती रहने वाली है और हर स्थिति एक दुविधा से भरी हुई है। चीज़ें अलग-अलग मोड़ ले सकती हैं। हालांकि, इन बदल रहे हालात के बीच जो सबसे अच्छी बात है,वह यह है कि राजनीतिक तबक़ा पूरी तरह से बदनाम हो चुका है और विधायी कार्य निष्क्रिय स्थिति में है, इसके बावजूद लोकतांत्रिक भावना बनी हुई है। यक़ीनन, चल रहा यह विरोध,यानी निर्वाचित सरकार की ओर से राजनीतिक जवाबदेही पूरी नहीं किये जाने के ख़िलाफ़ एक शुरुआती विद्रोह ही इस भावना की अभिव्यक्ति है। इस देश की लोकतांत्रिक बुनियाद को उस तरह का नुक़सान नहीं पहुंचा है,जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती हो। राजनीतिक बदलाव प्रदर्शन कर रहे लोगों की मुख्य मांग बन गयी है और यह मांग उस अपरिवर्तनीय पूर्व शर्त के भीतर अंतर्निहित है कि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को अपना पद छोड़ देना चाहिए। हालांकि, चेतावनी के साथ ही सही,मगर इस मांग को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है, लेकिन राष्ट्रपति के पद से बेदख़ल किये जाने की पूर्व शर्त अब भी हवा में लटकी हुई है। मगर, यह किसी को नहीं पता कि बिल्ली के गले में घंटी कैसे बांधनी है। राजपक्षे ने अच्छे अनुभव वाले वरिष्ठ राजनेता रानिल विक्रमसिंघे को अंतरिम प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त करके चतुराई से काम लिया है, लेकिन सचाई यही है कि रानिल विक्रमसिंघे को लेकर लोगों की आम धारणा तो यही है कि वह राष्ट्रपति के परिवार के क़रीबी हैं, और जिन पर राष्ट्रपति संकट के समय अपने परिवार की हिफ़ाज़त और हित को लेकर भरोसा कर सकते हैं। सीधे-सीधे शब्दों में कहा जाये, तो यह स्थिति नयी बोतल में पुरानी शराब परोसने की तरह है। दूसरी तरफ़ फ़ायदेमंद स्थिति यह है कि विक्रमसिंघे हालांकि प्रधान मंत्री का पद छठी बार संभाल रहे हैं और उन्हें दिल्ली और पश्चिमी देशों में एक ऐसे शांत विचारक और काम करने वाले के रूप में स्वीकार्यता हासिल है, जिस पर इस लिहाज़ से भरोसा किया जा सकता है कि वह जल्दबाज़ी में फ़ैसलों नहीं लेते।इस समय श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था को संकट से बाहर निकालने के लिए विदेशी सहायता की तत्काल ज़रूरत है और इस हिसाब से विक्रमसिंघे मुफ़ीद बैठते हैं। दूसरी ओर, विक्रमसिंघे ख़ुद भी एक बदनाम राजनेता रहे हैं, जिन्होंने कभी भी बतौर प्रधान मंत्री अपना एक भी कार्यकाल पूरा नहीं किया है, और वह संसद में एक-व्यक्ति वाली पार्टी (स्वयं) की नुमाइंदगी करते हैं और राजनीतिक रूप से एक चुकी हुई ताक़त हैं। जैसा कि कोलंबो के आर्कबिशप कार्डिनल मैल्कम रंजीथ कहते हैं, लोग सत्यनिष्ठ वाला व्यक्ति चाहते हैं, न कि ऐसा व्यक्ति, जो राजनीति में चुका हुआ हो। कोलंबो में इस बात को लेकर संदेह बना हुआ है कि राजपक्षे ने विक्रमसिंघे को मुख्य रूप से प्रदर्शनकारियों की ख़ुद के बाहर किये जाने की मांग से ध्यान हटाने के लिए चुना है। बीबीसी ने बताया कि विक्रमसिंघे की नियुक्ति की यह ख़बर को श्रीलंका में ÷काफ़ी हद तक निराशा और अविश्वास के साथ देखा गया है। यह आने वाले दिनों और हफ़्तों में अहम हो जाता है, क्योंकि राजनीतिक परिवर्तन को शांति के साथ नये चुनाव कराने और नयी सरकार के गठन आदि की मुश्किल ज़िम्मेदारी विक्रमसिंघे के कंधों पर आ गयी है। लेकिन,बड़ा सवाल यही है कि क्या वह राजपक्षे को इस्तीफ़ा देने के लिए राज़ी कर पायेंगे ? इस बात की संभावना कहीं ज़्यादा है कि राजपक्षे इसके बजाय विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए विक्रमसिंघे का इस्तेमाल सुरक्षा दीवार की तरह करने की कोशिश करें, जिसका असली मक़सद प्रदर्शनकारियों की ओर से उनके गद्दी छोड़ने की मांग को टालना है। यह कहना पर्याप्त होगा कि विक्रमसिंघे सरकार का भविष्य अंधकारमय है। यहां ख़तरा इस बात का है कि जो राजनीतिक परिदृश्य सामने आ रहे हैं,उससे आर्थिक बहाली की संभावनायें कमज़ोर होंगी। समानांतर रूप से कार्यकारी राष्ट्रपति की शक्तियों पर पकड़ बनाये रखते हुए और राजपक्षे को इस्तीफ़ा देने को लेकर एक तारीख़ मुकर्रर करते हुए और साथ ही कार्यकारी राष्ट्रपति के पद को ख़त्म करते हुए विक्रमसिंघे के लिए पूरक वित्त और आईएमएफ़ के साथ समझौते पर बातचीत कर पाना तक़रीबन असंभव होने जा रहा है। आर्थिक एजेंडे पर काम करना अपने आप में बहुत मुश्किल काम है। लंबी अवधि के ढांचागत सुधारों के ब्योरों पर आईएमएफ़ के साथ बातचीत करने के अलावा सरकार को अल्पकालिक तरलता को अर्थव्यवस्था में लाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से तत्काल पूरक वित्त÷ की व्यवस्था करने, लेनदारों को ऋण भुगतान में थोड़े समय देने की इजाज़त दिये जाने के लिए मनाने, करों को बढ़ाने और ग़ैर-जरूरी सार्वजनिक खर्च में कटौती के लिए कई क़ानून तैयार करने की ज़रूरत होगी। बिना किसी संदेह के आईएमएफ़ ने पहले से ही अपनी वित्तीय मदद पाने के लिए ज़रूरी सुधारों के ब्योरे को रख दिया है, जिसमें बजट में कटौती से लेकर आयकर और वैट में बढ़ोत्तरी, केंद्रीय बैंक की ओर से की जाने वाली मुद्रा की छपाई से पैदा होने वाली मुद्रास्फीति को ख़त्म करने,आयात प्रतिबंधों को समाप्त करनो, रुपये को स्थिर करने के मक़सद से सरकारी हस्तक्षेप को रोकने, और सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियों की बिक्री या आंशिक निजीकरण करने, भारी पड़ने वाले सामाजिक सब्सिडी को हटाने, और विकास को बढ़ावा देने वाले ढांचागत सुधार÷ जैसे चरणबद्ध उपायों की एक लंबी श्रृंखला शामिल है। जहां तक राजपक्षे का सवाल है, तो ख़ासकर तब भी वह सत्ता में बने रहने के लिए दृढ़संकल्प हैं, जब जनता ने उन्हें और उनके परिवार को कथित भ्रष्टाचार और दूसरे अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराने की मांग की है। उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं जताया है और इसके बजाय उन्होंने अपनी कार्यकारी शक्तियों को अस्पष्ट रूप से कम किये जाने का विचार रखा है। स्थिति बेहद अस्थिर है। और अगर इस राजनीतिक गतिरोध को जल्दी से सुलझा नहीं लिया जाता है,तो आर्थिक तबाही और भी गहरी हो सकती है या पहले से कहीं ज़्यादा सामाजिक उपद्रव की संभावना बन जाती है। राष्ट्रपति राजपक्षे को हटाने या दरकिनार करने की प्रक्रिया में किसी तरह महीनों नहीं, तो हफ़्ते तो लग ही सकते हैं और संभव है कि यह क़वायद ही पूरी तरह से नाकाम हो जाये। यही वह स्थिति हो सकती है,जब राजपक्षे हिंसक दमन (अपने पिछले रिकॉर्ड के अनुरूप) का सहारा लेकर या हुक़ूमत में सेना को एक बड़ी भूमिका देकर इस उथल-पुथल को अपने मक़सद में बदलने के लिहाज़ से इस पल का अपने पक्ष में इस्तेमाल कर सकते हैं। शीर्ष सैन्य कमांडरों,ख़ासकर सेना प्रमुख, मेजर जनरल शैवेंद्र सिल्वा और रक्षा सचिव, सेवानिवृत्त जनरल कमल गुणरत्ने को राष्ट्रपति के क़रीबी के रूप में जाना जाता है। श्रीलंका के सैन्य कर्मी सुविधाओं और विशेषाधिकारों वाला जीवन जीते हैं और प्रभावित होने वाले के रूप में उन्हें इस हुक़ूमत की हिफ़ाज़त के लिए अपनी बंदूकों की नाल प्रदर्शनकारियों की तरफ़ करने में कोई दिक़्क़त नहीं होगी। बेशक, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की भूमिका प्रासंगिक तो है, लेकिन इसे बढ़ा-चढ़ाकर भी पेश नहीं किया जाना चाहिए। सैन्य नेतृत्व को राजनीति में हस्तक्षेप करने या हुकूमत के समर्थन में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के क्रूर दमन से रोकने की संभावना तो नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि मौजूदा सेना प्रमुख पहले से ही कथित युद्ध अपराधों (गृहयुद्ध के दौरान बतौर रक्षा सचिव गोटाबाया राजपक्षे की निगरानी में किये गये अपराधों) के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। विरोधाभासी रूप से औसत श्रीलंकाई लोगों की आर्थिक कठिनाइयों को कम करने और राजनीतिक बदलाव के लिए चल रहे उपद्रव की तीव्रता को कम करने के लिहाज़ से आईएमएफ़ अगर कोई क़दम उठाता है, तो इससे राजपक्षे को सांस लेने की भी जगह मिल सकती है, जिससे उन्हें और उनके परिवार

हरियाणा के मौसम में बड़ा बदलाव, इन शहरों में आंधी और बूंदाबांदी

करनाल।

मौसम ने बुधवार सुबह अचानक करवट ली। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कहीं धूलभरी आंधी तो कहीं पर बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुरुक्षेत्र, करनाल के कुछ हिस्सों तथा एनसीआर में धूल भरी आंध के बाद बूंदाबांदी देखने को मिली, जिससे तापमान में गिरावट आ गई है। भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों को राहत मिली है। दिन के तापमान में गिरावट के और तेज हवा चलने से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग का मानना है कि आने वाले 24 घंटे में मौसम साफ रहेगा। लेकिन 24 मई तक मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी रह सकता है। कभी धूलभरी हवा तो कभी बूंदाबांदी हो सकती है। बीच-बीच में चिलचिलाती धूप भी परेशान करती रहेगी। उमस भरी गर्मी भी साथ में झेलने के लिए तैयार रहना होगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से लगभग एक सप्ताह पहले 16 मई को अंडमान सागर के ऊपर एक धमाके के साथ पहुंचा था। निकोबार में 2 दिनों में 100 मिमी से अधिक की बारिश हुई। पूरे अंडमान सागर और दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिक भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मानसून 26 मई के आसपास केरल की मुख्य भूमि पर पहुंचने की ओर बढ़ रहा है, जो कि

01 जून की सामान्य तारीख से काफी पहले है। यह 2009 के बाद से सबसे पहले शुरू होने की संभावना है, जब यह 23 मई को केरल तट से टकराया था। संयोग से, वर्ष 2009 एक अल नीनो वर्ष था और भारतीय उपमहाद्वीप में भीषण सूखे का परिणाम मानसून ने बुरी तरह प्रभावित किया। अगले तीन दिनों में केरल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु के अंदरूनी इलाकों में शक्तिशाली और व्यापक प्री-मानसून गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। अगले तीन दिनों में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 से 3 दिनों के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, पूरे अंडमान सागर, अंडमान द्वीप समूह और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। तमिलनाडु तट के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। एक और चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र लक्षद्वीप और इससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर बना हुआ है। एक टर्फ रेखा पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश से विदर्भ और आंतरिक कर्नाटक होते हुए उत्तर आंतरिक तमिलनाडु तक फैली हुई है। एक और टर्फ रेखा पश्चिमी उत्तर प्रदेश से झारखंड तक निचले स्तर पर बनी हुई है। पंजाब से सटे इलाके में एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है।

झज्जर व रेवाड़ी के पास सुबह कांपी धरती, 2.6 रही तीव्रता, जमीन से 15 किमी नीचे था केंद्र

चंडीगढ़ । हरियाणा में बुधवार की सुबह 06:08 बजे भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र झज्जर से 42 किमी दूर दक्षिण-पश्चिम दिशा में जमीन से 15 किलोमीटर गहराई पर रेवाड़ी के पास रहा। राहत की बात यह रही है कि भूकंप से किसी भी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। दिल्ली एनसीआर समेत आधा रोहतक खतरनाक जोन-4 में शामिल है। इस क्षेत्र से महेंद्रगढ़-देहरादून फाल्ट गुजरता है। भूवैज्ञानिकों के मुताबिक महेंद्रगढ़-दूहरादून फाल्ट जमीन के अंदर है। इसकी सतह से गहराई करीब एक किलोमीटर है। महेंद्रगढ़-देहरादून फाल्ट लाइन हरियाणा के महेंद्रगढ़ से शुरू होकर झज्जर, रोहतक, सोनीपत, पानीपत होते देहरादून में हिमालय के नीचे चली जाती है।

हिमालय से जुड़े होने की वजह से फाल्ट में हलचल बनी रहती है। इस फाल्ट लाइन पर छोटे-छोटे भूकंप आते रहते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त वैज्ञानिक जानकारियों के आधार पर पूरे भारत को पांच भूकंपीय जोन में बांटा है। इसमें सबसे ज्यादा खतरनाक जोन 5 है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 9 तीव्रता का भूकंप आ सकता है। चंडीगढ़ और इसके आसपास के इलाके को भूवैज्ञानिकों ने जोन 4 में रखा है। इस क्षेत्र में 7.9 तीव्रता तक का भूकंप आ सकता है, जिससे व्यापक तौर पर जनहानि संभव है। कुछ साल पहले कानपुर आईआईटी के प्रोफेसर डॉ. जावेद मलिक ने अपने एक शोध पेपर में बताया था कि चंडीगढ़ सिस्मिक रिस्क जोन में आता है। चंडीगढ़ के नजदीक एक एक्टिव फाल्ट गुजर रही है, जो कई साल पहले आए भूकंप का साक्ष्य है। घग्गर नदी के दाहिने किनारे पर चंडीगढ़ के आसपास उत्तर-पश्चिमी हिमालयी तलहटी क्षेत्र में सक्रिय फॉल्ट निशान हैं। यह इस बात की भी संभावना बताते हैं कि भविष्य में उच्च तीव्रता के भूकंप की संभावना बहुत अधिक है।

डॉक्टर-स्टाफ के टॉयलेट अब पब्लिक भी यूज करेगी : रेवाड़ी अस्पताल में डीसी के अचानक पहुंचने से मची अफरा-तफरी, डेढ़ घंटे की चैकिंग

रेवाड़ी ।

हरियाणा के रेवाड़ी जिले के नागरिक अस्पताल का बुधवार को डीसी अशोक कुमार गर्ग ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जांच पड़ताल के बाद उन्होंने आदेश दिए कि डॉक्टरों और स्टाफ के लिए बनाए गए पसर्नल टॉयलेट अब पब्लिक टॉयलेट में कन्वर्ट होंगे। इनका इस्तेमाल मरीज और उनके परिजन कर सकेंगे। वहीं अचानक डीसी के अस्पताल में पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। करीब डेढ़ घंटा डीसी ने अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। डीसी ने अस्पताल परिसर में ब्लड बैंक का निरीक्षण भी किया। डीसी ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए निरीक्षण किया। डीसी ने निर्देश दिए कि अस्पताल में आने

वाले मरीजों और उनके परिजनों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। मरीजों और उनके परिजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाए। डॉक्टरों और स्टाफ के लिए इस्तेमाल होने वाले टॉयलेट आम नागरिकों के लिए भी खुले रहने चाहिए। डीसी ने काफी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले रेवाड़ी में पदभार संभालते ही डीसी अशोक कुमार गर्ग ने खुद के ऑफिस के पर्सनल टॉयलेट को ताला लगवा दिया था। साथ ही पब्लिक टॉयलेट यूज करने की पहल की थी। इसके बाद डीसी ने अन्य विभाग के अधिकारियों को भी इसी तरह पब्लिक टॉयलेट यूज करने की हिदायत दी थी।

ज्ञानवापी विवाद में कूदीं बबीता फोगाट: ट्वीट में लिखा- मोदी है तो मुमकिन है; भारत की सभी मस्जिदों का होना चाहिए सर्वे

चंडीगढ़ ।

काशी के ज्ञानवापी विवाद में रेसलर से नेता बन चुकी बबीता फोगाट भी कूद गई हैं। भाजपा नेता और हरियाणा महिला एवं बाल विकास निगम की चेयरपर्सन बबीता फोगाट ने ट्वीट किया कि मोदी है तो मुमकिन है।

भारत की सभी मस्जिदों का सर्वे होना चाहिए। उनके इस विवादित ट्वीट पर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल भी किया है। बता दें कि भाजपा नेत्री बबीता फौगाट सोशल मीडिया पर अपनी बेबाक राय देती हैं। चाहे वह शाहीन बाग का मामला हो या तजिंदर बग्गा की गिरफ्तारी का मामला। बबीता फोगाट के ट्वीट पर एक सोशल मीडिया यूजर ने रिप्लाई किया कि सर्वे की क्या जरूरत है, सरकार आपकी, लोकतंत्र आपका, न्यायालय आपका, जज आपका, पुलिस आपकी, भीड़ आपकी, कहीं भी कुछ भी रख दो और उसको मंदिर घोषित कर दो। सर्वे तो बहाना है, सारी सेटिंग तो पहले से कर रखी है। एक अन्य यूजर्स ने ट्वीट किया पहले तू PhD कर पढ़ाई करके यूनिवर्सिटी जाकर कुछ जानकारी हासिल करके देश में बने कानून की पढ़ाई कर, फिर बकवास कर। एक अन्य यूजर ने ट्वीट किया कि अपने नजदीक के मंदिर में तो कभी गई नहीं, पूरे देश के मस्जिदों का सर्वे चाहिए। अपने देश में धार्मिक उन्माद फैलाने वालों को भाजपा इनाम देती है, इसी इनाम के चक्कर में कई घनचक्कर लगे हुए हैं। इसी को विष पुरुष का विषैला अमृत काल कहा गया है।

सिरसा में पति-पत्नी ने की खुदकुशी: एमपी से मजदूरी करने आए थे दोनों; निर्माणाधीन मकान में फंदे पर लटके मिले

सिरसा ।

हरियाणा के सिरसा में बरनाला रोड स्थित ईरा ग्रुप में निर्माणाधीन मकान में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले पति-पत्नी ने फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक सोनू (20) और उसकी पत्नी जसोदा (20) मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गांव मेदिनीपुरा के रहने वाले हैं और यहां मजदूरी करते थे। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेजा है। दोनों के आत्महत्या करने का कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। पुलिस छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश निवासी सोनू और उसकी पत्नी जसोदा पिछले काफी समय से सिरसा में ही रह कर मजदूरी कर रहे थे। जसोदा का पिता व भाई भी यहीं पर हैं।

हालांकि सोनू के परिजन मध्यप्रदेश में रहते हैं। पति पत्नी फिलहाल ईरा ग्रुप के निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे थे। दोनों ने मंगलवार रात को विवाद के बाद निर्माणाधीन मकान में लोहे के एंगल पर चुन्नी से फंदा लगा लिया। कमरे से शोर आने के बाद सड़क पर घूम रहे लोगों ने मकान की पहली मंजिल पर रहने वाले मजदूरों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद साथी मजदूर उपर पहुंचे तो दोनों की मौत हो चुकी थी। सिविल लाइन थाना प्रभारी अमित बेनीवाल ने बताया कि दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेजा गया है। मृतकों के परिजनों के बयान के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की टीमें घटनास्थल पर छानबीन में लगी हैं। फिलहाल आत्महत्या के पीछे का कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। सोनू के परिजनों के आने के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम होगा। सिरसा के एक दूसरे मामले में डबवाली सदर थाना क्षेत्र के गांव सकताखेड़ा में नशे की ओवरडोज से युवक की मौत हो गई। मृतक गुरप्रीत का शव गांव के बूस्टिंग स्टेशन में मिला। 30 वर्षीय गुरप्रीत के हाथ में इंजेक्शन लगा हुआ मिला है। मृतक खेतीबाड़ी करता था और हेरोइन के नशे का आदि था। घटना की सूचना मिलने पर सदर डबवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में पहुंचाया।

चंडीगढ़-मोहाली बार्डर पर डटे किसान, सड़क पर बना रात का खाना, सुबह की चाय भी यहीं बनी

चंडीगढ़। चंडीगढ़- मोहाली बार्डर पर किसानों ने पक्का धरना लगा दिया है। चंडीगढ़-मोहाली सीमा बीते दिन ही किसान पहुंच गए थे। किसानों ने रात भी यहीं गुजारी। मोहाली के वाईपीएस चौक पर किसानों ने अपने ट्रैक्टर ट्रालियों को बीच सड़क पर खड़ा कर वहां पक्का धरना लगा लिया है। रात के खाने से लेकर सुबह की चाय भी किसानों ने यहीं बनाई है। सुबह नहाने के लिए पानी के टैंकर मंगवाए गए हैं। अपनी मांगों को लेकर किसान पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिलने पर अड़े हैं। वहीं, किसानों ने धमकी दी है कि अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह आज चंडीगढ़ के लिए कूच करेंगे। चंडीगढ़ स्थित पंजाब मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। इसके लिए दोनों शहरों की पुलिस ने पहले ही मोर्चा संभाल लिया है। मोहाली-चंडीगढ़ की सीमा पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर किसानों को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। हालांकि अभी तक स्थिति सामान्य है। दोपहर के खाने की तैयारी में जुटे किसान। सैकड़ों की संख्या में किसान मोहाली-चंडीगढ़ बार्डर पर

वाईपीएस चौक पर डटे हुए हैं। किसानों ने वाईपीएस चौक पर पक्का धरना लगाकर वहीं रात काटी। किसानों को इस तरह देख सिंघु बार्डर पर हुए किसान आंदोलन की यादें ताजा कर दी हैं। अभी मोहाली में किसान नेताओं की मीटिंग हो रही है। बैठक में आगे के एक्शन प्लान पर तैयार किया जाएगा। चंडीगढ़-मोहाली बार्डर पर किसानों के पक्के धरने के चलते पुलिस ने कई रूट बंद कर दिए हैं। वहीं, बड़ी संख्या में मीडिया भी मौके पर मौजूद है। किसानों ने मौके पर ट्रैक्टर ट्रालियों में जरूरत का सारा सामान रखा है। वहीं, किसानों ने सुबह खाना भी बनाया। पानी के टैंकर भी मंगवाए गए हैं। किसानों के ट्रैक्टर पर पुलिस के अधिकारी बैठकर उनके बातें करते हुए भी नजर आए। अभी किसान नेताओं की बैठक चल रही है। बैठक के बाद किसान चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास घेरने के लिए कूच करेंगे। ऐसे में पत्ते खेल कर समय गुजारते किसान। किसानों के पक्के धरने के चलते मोहाली के कई रूट बंद कर दिए गए हैं। वहीं वाहनों को दूसरे वैकल्पिक रास्तों से जाने के लिए पुलिस तैनात की गई है। हालांकि वाहन चालकों को इस वजह से खासी परेशानी हो रही है।

पुरानी तहसील में विजिलेंस का छापा, एक पटवारी और सहयोगी पर रिश्वत लेने का आरोप

पानीपत। पानीपत में पुरानी तहसील में बुधवार को स्टेट विजिलेंस की टीम ने छापा मारा। इस कार्रवाई में एक पटवारी और उसके सहयोगी पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। हालांकि स्टेट विजिलेंस की टीम ने पूरे मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पुरानी तहसील में कार्रवाई जारी हैं। सूत्रों के अनुसार स्टेट विजिलेंस की टीम ने दोनों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पटवारी पर 24000 रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा है। इसमे उसके एक सहयोगी का भी हाथ बताया जा रहा है। स्टेट विजिलेंस के डीएसपी ने दोनों को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी भी अधिकारी ने मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। उनका कहना हैं कि छापे की कार्रवाई पूरी होने के बाद ही मामले की पूरी जानकारी दी जाएगी। यह भी सूचना है कि समालखा में छापेमारी की गई है, फिलहाल इसकी अभी पुष्टि नहीं है। गौरतलब है की स्टेट विजिलेंस की टीम ने सोमवार शाम को ही उपायुक्त कार्यालय से छापे की कार्रवाई के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करवा लिया था। इसके बाद योजना के अनुसार विजिलेंस टीम ने शिकायतकर्ता को साथ लेकर पुरानी तहसील में छापा मारा।

यमुनानगर में हादसाः दो बच्चों समेत ट्रेन के नीचे आई मां, सात साल की बेटी की मौत, चार साल का बेटा घायल

यमुनानगर (हरियाणा) । हरियाणा के यमुनानगर में पांसरा फाटक के पास एक मां अपने दो बच्चों समेत ट्रेन के नीचे आ गई। हादसे में सात साल की बेटी की मौत हो गई है। वहीं चार साल का बेटा तरुण घायल है। उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया है। मां कोमल सुरक्षित है। मालगाड़ी रोककर सभी को बाहर निकाला गया।

एक नजर

शहीद निशान सिंह के घर पहुंचे सीएम मनोहर लाल, एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का किया एलान

सिरसा (हरियाणा) । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सिरसा के गांव भावदीन स्थित शहीद निशान सिंह के घर पहुंचे और उनको श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने भावदीन के स्कूल का नाम शहीद जवान के नाम पर रखने का निर्देश दिया। उनके साथ उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भी मौजूद रहे। सीएम मनोहर लाल ने परिवार के एक सदस्य को नियमानुसार सरकारी नौकरी देने का एलान भी किया। सिरसा में कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने मुख्यमंत्री मनोहर लाल बीती देर रात पहुंचे थे। वह बुधवार सुबह पहले शहर के हिसार रोड स्थित कन्हैया आश्रम में पहुंचे और दिव्यांगों से मिले। इसके बाद वह हिसार रोड स्थित भावदीन गांव के शहीद लांस नायक निशान सिंह के घर पहुंचे और उनको श्रद्धांजलि दी। इस दौरान गांव में लोग की भीड़ लग गई। वहीं उन्होंने गांव के स्कूल का नाम शहीद लांस नायक निशान सिंह के नाम पर रखने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि भावदीन के सेवा सिंह के 26 वर्षीय पुत्र शहीद निशान सिंह 26 जून 2013 को आर्मी में भर्ती हुए थे और दो महीने पहले ही फतेहाबाद के मड़गंधान निवासी रमनदीप से उनकी शादी हुई थी। निशान सिंह 19 राइफल्स के जवान थे और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में तैनात थे। 16 अप्रैल को मुठभेड़ के दौरान निशान सिंह आतंकवादियों से लोहा लेते वक्त शहादत दी थी।

ज्ञानवापी विवाद में अब विज की एंट्रीः हरियाणा के गृहमंत्री बोले- ज्ञानवापी हिंदी शब्द, वहां मस्जिद नहीं मंदिर ही रहा होगा

अंबाला । वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद विवाद में हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की एंट्री हो गई है। विज ने कहा है कि ज्ञानवापी न उर्दू का शब्द है और न फारसी का। यह हिंदी का शब्द है और इससे ऐसा लगता है कि ज्ञानवापी मस्जिद नहीं, बल्कि मंदिर ही रहा होगा। हालांकि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है और सर्वे किया जा रहा है। ऐसे में इसका फैसला कोर्ट ही करेगा। गृहमंत्री ने मुस्लिम नेता व AIMIM के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर देश में भड़काऊ बयानबाजी देने के लिए किसी को गोल्ड मेडल देना हो तो वह ओवैसी को दिया जा सकता है। ओवैसी देश को तोड़ने का काम कर रहा है। विज ने कहा कि BJP सरकार ने जम्मू एंड कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म किया। देश में BJP की सरकार आने के बाद कश्मीरी पंड़ित खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तो नाटककार है। कोई न कोई मुद्दा उठाते रहते हैं।

फतेहाबाद में युवक को बर्बरता से पीटाः बीघड़ में काम दिलाने का बहाना बनाकर घर से बुलाया; जमीन पर घसीटा

फतेहाबाद । हरियाणा के फतेहाबाद के गांव बीघड़ में काम दिलाने के बहाने एक युवक को घर से बुलाकर उस पर चाकू और डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। युवक को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। गांव बीघड़ निवासी जयदीप ने बताया कि बीती शाम युवक कर्ण उसके घर आया और बोला कि काम के लिए उसकी किसी से बात करवानी है। उसने उसके साथ जाने से इंकार कर दिया। लेकिन जब तीसरी बार कर्ण फिर उसे बुलाने आया तो शाम करीब सवा 7 बजे वह उसके साथ चला गया। वे प्राइमरी स्कूल के पास गए थे। वहां पर पहले से ही 2 और अज्ञात युवक खड़े थे। जयदीप का आरोप है कि तीनों ने उस पर लाठियों से हमला कर दिया। एक युवक ने उसके पेट पर चाकू से वार किया। बाद में आरोपी वहां से फरार हो गए। उसकी कोई रंजिश नहीं है और उसे समझ नहीं आ रहा कि उस पर हमला क्यों किया गया है। घायल जयदीप ने बताया कि हमलावर उसे काफ़ी देर तक पीटते रहे और उसे ज़मीन पर बार बार घसीटा गया। इससे उसके कूल्हे पर काफ़ी चोटें आई हैं। इसके अलावा उसकी पीठ पर भी लाठी डंडों से वार किया गया। उसके शरीर पर काफ़ी चोटें आई हैं। सदर थाना प्रभारी यादविंदर सिंह ने बताया की मामले में अगर पीड़ित की तरफ़ से कोई शिकायत आती तो आरोपियों के खिलाफ सख़्त से सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

हेलिकॉप्टर खरीद पर आप का कमेंट : स्कूली बच्चों के लिए बसों का प्रबंध नहीं; सरकार अपने लिए खरीद रही उड़न खटोला

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार नया हेलिकॉप्टर खरीदने की योजना बना रही है। करीब इस पर 75 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी ने मनोहर लाल सरकार को घेरा है। आप का कहना है कि प्रदेश की जनता जान जोखिम में डालकर बसों पर लटकी हुई है। बच्चों के लिए स्कूल कॉलेज जाने के लिए बसों का प्रबंध नहीं है और हरियाणा सरकार अपने लिए उड़न खटोला खरीदेगी। कमाल की बात यह है कि इस उड़नखटोले की कीमत का भुगतान वही जनता करेगी, जो जान जोखिम में डालकर बसों में लटकी हुई है। हरियाणा सरकार के मौजूदा हेलिकॉप्टर की एक्सपायरी डेट का समय 90 से 100 घंटे की उड़ान का बचा है। इसलिए सरकार ने नया हेलिकॉप्टर खरीदने का निर्णय लया है। इसकी कीमत 75 करोड़ रुपए होगी। सरकार के पास एक सरकारी प्लेन भी है। प्लेन की खरीद हरियाणा सरकार ने पहले कार्यकाल के दौरान की थी, जबकि हेलिकॉप्टर की खरीद हुड्डा सरकार के समय हुई थी। पायलट और इंजीनियर की टीम ने सरकार को नया हेलिकॉप्टर खरीदने का सुझाव दिया है। यह मामला हाई पावर परचेज कमेटी के समक्ष है और नए सुरक्षा मानकों को तय करके सरकार खरीद करेगी।

धान की सीधी बुवाई पर मिलेंगे 1500 रुपये, शहीदों के परिवार को अब एक करोड़ रुपये मुआवजा

चंडीगढ़ । बुधवार को पंजाब कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने कई फैसलों पर मोहर लगाई। पंजाब में अब किसानों को धान की सीधी बुवाई करने पर 1500 रुपये प्रति एकड़ मिलेंगे। कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा शहीदों के परिवारों को दी जाने वाली राशि 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने के फैसले को भी हरी झंडी दी गई है। बैठक में सेवानिवृत्त पटवारियों के खाली पदों पर नियुक्ति के फैसले को भी मंजूरी दी गई है। फैसला लिया गया कि 1766 सेवामुक्त पटवारियों को फिर भर्ती किया जाएगा लेकिन केवल बेदाग पटवारियों को ही जिम्मेदारी मिलेगी। सीएम भगवंत मान ने ट्वीट किया कि आज मंत्रियों के साथ कैबिनेट की अहम बैठक हुई। सीधे धान बोने वाले किसानों को 1500 रुपये प्रति एकड़ अनुदान देने के निर्णय को मंजूरी दी गई है। आइए पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सीधी बुवाई को अपनाएं, अपने साथी किसानों को भी प्रेरित करें। आइए जमीन और पानी बचाने के लिए लड़ें।

मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल व मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन के

सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, सी.डी-2 में

करोड़ो का भ्रष्टाचार जारी.....सी.बी.आई जांच की मांग l

दिल्ली प्रशासन ने भ्रष्ट ई.ई सुधीर आर्य, सतर्कता/ई.ई अशोक कुमार के आगे टेके घुटने

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता बने भ्रष्टाचारी नंम्बर-1

सी.डी-2 के पूर्व ई.ई अशोक कुमार, वर्तमान ई.ई सुधीर आर्य, ए.ई जुबैर ख़ान, राशिद अली, जे.ई सतीश कुमार ने किए करोड़ो के वारे न्यारे...

विकास एवं निर्माण कार्यो में घोटाला कर लगाई गई व लगाई जा रही, बेहद घटिया निर्माण सामग्री की शिकायतो के आगे केजरीवाल प्रशासन ने टेके घुटने

ए-बी एक्स, ए-2 ब्लॉक, सुल्तानपुरी व मंगोलपुरी को जोड़ने वाले मुख्य पुल निर्माण में लगवाई बेहद घटिया निर्माण सामग्री, पुल में पढ़ी दरारे व एक ओर से धंसा

शिकायते होती रही, परन्तु भ्रष्टाचारियों का भ्रष्टाचार बढ़ता रहा, आज भी नही लगी रोक l

अध्यक्ष: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

बैंगलोर के खिलाफ जीत की लय कायम रखने उतरेगी हार्दिक पंड्या एंड कंपनी

मुंबई।

शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस का आईपीएल के 67वें लीग मैच में सामना रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से होगा. हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस प्लेऑफ से पहले जीत की अपनी लय कायम रखना चाहेगी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को अंतिम चार में प्रवेश की उम्मीदें कायम रखने के लिए बड़ी जीत की जरूरत है. लिहाजा बृहस्पतिवार को दोनों टीमों के बीच आईपीएल का आखिरी लीग मुकाबला काफी रोमांचक रहेगा. आईपीएल में पदार्पण करने वाली गुजरात टाइटंस ने अभी तक 13 मैचों में 20 अंक लेकर शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया है. दूसरी ओर आरसीबी ने सात मैच जीते और छह हारे जिसके बाद वह 13 मैचों में 14 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है. आरसीबी का नेट रनरेट हालांकि माइनस 0.323 है. गुजरात के खिलाफ जीत से उसके 16 अंक हो जाएंगे लेकिन नेट रनरेट के कारण उसे दूसरे मैचों के नतीजे भी अनुकूल आने की दुआ करनी होगी. दिल्ली कैपिटल्स अभी चौथे स्थान पर है और आखिरी मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर वह भी 16 अंक पर आ सकती है.

उसका रनरेट भी आरसीबी से बेहतर प्लस 0.255 है. लगातार दो जीत के साथ आरसीबी ने लय हासिल की लेकिन पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 54 रन से हार गई. विराट कोहली का खराब फॉर्म जारी रहा जिन्होंने पिछले मैच में सिर्फ 20 रन बनाए. अब उनके पास धमाकेदार पारी

खेलकर अपनी और टीम की तकदीर बदलने का एक और मौका है. कप्तान फाफ डुप्लेसी, महिपाल लोमरोर और दिनेश कार्तिक भी बड़ी पारी खेलने की फिराक में होंगे चूंकि उनका बल्ला पिछले कुछ मैचों से खामोश है. ग्लेन मैक्सवेल और रजत पाटीदार अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदल नहीं सके हैं. गेंदबाजी में हर्षल पटेल और वानिंदु हसरंगा ने शानदार प्रदर्शन किया है. पिछले मैच में जब पंजाब के बल्लेबाजों ने सभी गेंदबाजों की धुनाई की थी, तब इन दोनों ने ही अच्छे स्पैल डालकर क्रमश चार और दो विकेट लिए थे. आरसीबी की चिंता जोश हेजलवुड और मोहम्मद सिराज का खराब फॉर्म भी है जो पंजाब के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए. दूसरी ओर गुजरात के लिए यह सपने सरीखा पदार्पण सत्र रहा. वह अगर इस मैच में हार भी जाती है तो शीर्ष पर रहेगी यानी उसे फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे. गुजरात के बल्लेबाजों में रिद्धिमान साहा, शुभमन गिल, डेविड मिलर, कप्तान हार्दिक पंड्या और राहुल तेवतिया ने अच्छी पारियां खेली हैं. गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, यश दयाल, लॉकी फर्ग्युसन और अलजारी जोसफ प्रभावी रहे हैं. स्पिन की कमान अफगानिस्तान के धुरंधर राशिद खान ने बखूबी संभाली है.

टीमें-रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोरः फाफ डुप्लेसी (कप्तान), विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल. गुजरात टाइटंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), अभिनव मनोहर, डेविड मिलर, गुरकीरत सिंह, बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मैथ्यू वेड, रहमानुल्ला गुरबाज, रिद्धिमान साहा, अल्जारी जोसफ, दर्शन नालकंडे, लॉकी फर्ग्युसन, मोहम्मद शमी, नूर अहमद, प्रदीप सांगवान, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, वरुण आरोन और यश दयाल.

राष्ट्रमंडल खेलः छोरियों के बाद छोरों नै भी गाड़्या लठ, भारतीय दल में सभी छह पहलवान हरियाणा से, बर्मिंघम में दिखाएंगे दमखम

सोनीपत । राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सीनियर भारतीय कुश्ती टीम के ट्रायल में हरियाणवी ही छाए रहे। बेटियों के बाद बेटों ने भी झंडे गाड़ दिए। प्रतियोगिता के लिए चयनित सभी छह पहलवान हरियाणा के है। इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में ट्रायल लिया गया। ओलंपिक के बाद रवि दहिया, बजरंग पूनिया और दीपक पूनिया की तिकड़ी अब राष्ट्रमंडल खेलों में अपना दम दिखाएगी। कुश्ती में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सदैव प्रदेश के पहलवानों का दबदबा रहता है। प्रदेश के युवा पहलवान अंतरराष्ट्रीय पटल पर नाम चमका रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चयनित पहलवानों में 57 किलो भार वर्ग में नाहरी सोनीपत का रवि दहिया, 65 किलो भार वर्ग में मूलरूप से झज्जर फिलहाल मॉडल टाउन सोनीपत का बजरंग पूनिया, 74 किलो भार वर्ग में पुगथला का नवीन, 86 किलो भार वर्ग में झज्जर के छारा गांव का दीपक पूनिया, 97 किलो भार वर्ग में रोहतक के निंदाना गांव का दीपक और 125 किलो भार वर्ग में हिसार के गांव बामला के मोहित शामिल हैं। भारतीय कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने बताया कि प्रतियोगिता इंग्लैंड के बर्मिंघम में 28 जुलाई से 8 अगस्त तक होगी। ट्रायल प्रक्रिया में हरियाणा के पहलवानों ने अपना दम दिखाया और सभी छह भार वर्ग में हरियाणवी ही चुने गए। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण ने कहा कि ट्रायल प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती गई। बेहतर प्रदर्शन करने वाली पहलवान ही चयनित हुए। नवीन पुगथला के चयन पर रायपुर स्थित तरघुबीर अखाड़े में खुशी का माहौल है। प्रशिक्षक बलवान खत्री ने बताया कि नवीन ने प्रतियोगिता के लिए शानदार तैयारी की है। वह देश व प्रदेश का नाम जरूर रोशन करेगा।

भारतीय ऑलराउंडर ने अपनी गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलियाई खेमे में मचा दिया था हड़कंप, कंगारू दिग्गज ने स्वीकारा सच

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वॉटसन का ऑस्ट्रेलिया के लिए 14 साल का लंबा करियर काफी शानदार रहा। इस दौरान वह दो बार के विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे, कई यादगार पारियां खेलीं, साझेदारियों को तोड़ा और शानदार कैच लिए। 2016 में टी 20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी वॉटसन ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। 37 साल की उम्र में साल 2018 में उन्होंने चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए 500 से अधिक रन बनाए। आईपीएल से संन्यास लेने के बाद वॉटसन ने इस साल दिल्ली के साथ जुड़ने से पहले पिछले दो साल एक विशेषज्ञ के रूप में काम किया और उनके योगदान का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लगभग हर खिलाड़ी ने वॉटसन पर और किसी न किसी क्षमता में उनके प्रभाव पर बात की है।

वह एक शानदार कोचिंग टीम का हिस्सा हैं, जिसमें उनके साथ पूर्व ऑस्ट्रेलिया साथी रिकी पोंटिंग बतौर कोच और प्रवीण आमरे हैं। सहायक कोच के रूप में वॉटसन के सहयोगियों में अजीत अगरकर भी हैं। अगरकर की बात करें तो वॉटसन को साल 1999 में भारत का ऑस्ट्रेलिया का दौरा याद है। जवागल श्रीनाथ के साथ अगरकर टीम इंडिया के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक थे। यह अगरकर की दूसरी टेस्ट सीरीज थी और तीन मैचों में उन्होंने 11 विकेट लिए।

वॉटसन के अनुसार अगरकर ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। वॉटसन ने दिल्ली कैपिटल्स के पॉडकास्ट पर कहा, अजीत अगरकर कमाल के इंसान हैं। मैंने उनके खिलाफ थोड़ा बहुत खेला है। खासकर उनके करियर के अंत के समय में। जवागल श्रीनाथ ने अच्छी गति से गेंदबाजी की, लेकिन अजीतज मुझे याद है कि वह ऑस्ट्रेलिया आए थे। मुझे लगता है कि यह 1999 था, ब्रेट ली का पदार्पण वर्ष। उन्होंने काफी तेज गेंदबाजी की। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को काफी परेशान किया। मुझे याद है कि वह स्टीव वॉ को बाउंस करने की कोशिश कर रहे थे और वॉ इससे खुश नहीं थे। वॉटसन का कहना है कि वह कोच अगरकर से काफी प्रभावित हैं। भारत के इस पूर्व ऑलराउंडर में खिलाड़ियों और उनकी मानसिकता को समझने की क्षमता है। उन्होंने कहा, उनके पास जो ज्ञान हैज वह वास्तव में एक अच्छे इंसान हैं और जानते हैं कि लोगों के साथ वास्तव में कैसे जुड़ना है। एक क्रिकेटर के रूप में उन्होंने जो हासिल किया है उसके लिए उन्हें टीम के भीतर भी बहुत सम्मान मिलता है। वह एक अच्छे इंसान हैं और लोगों की परवाह करते हैं। इसलिए किसी चीज के बारे में बताने और लोगों की मदद करने की उनकी क्षमता शानदार है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम को अगले महीने से न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट सीरीज में खेलना है। तीन मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले के लिए इंग्लैंड की टीम की घोषणा कर दी गई है।

इस टीम में अनुभवी तेज गेंदबाजों की जोड़ी स्टुअर्ट ब्राड और जेम्स एंडरसन की वापसी हुई है। टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाने वाली इस सीरीज में इंग्लैंड की टीम अपने नए टेस्ट कोच न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम के कोचिंग में खेलने उतरेगी। बतौर नियमित टेस्ट कप्तान यह बेन स्टोक्स की पहली सीरीज होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने से खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड ने अपनी 13 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम की कप्तानी आलराउंडर बेन स्टोक्स के हाथों में होगी। इस टीम में मैथ्यू पोट्स और हैरी ब्रुक जो नए चेहरे को मौका दिया गया है। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गई पिछली सीरीज में खेलने वाले एलेक्स लीस, क्रेग ओवरटन और जैक लीच को बनाए रखा गया है। इंग्लैंड के चयनकर्ताओं ने टीम की सबसे अनुभवी तेज गेंदबाजी जोड़ी ब्राड और एंडरसन को साथ लाने का फैसला लिया। इन दोनों को कुछ दिन पहले ही टीम से बाहर बिठाया गया था। बाहर किए जाने के बाद दोनों के करियर पर सवाल खड़ा हो गया था लेकिन अब उनकी एक बार फिर से मौका देकर चयनकर्ताओं ने अनुभव को सम्मान दिया है। जो रूट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली पिछली टेस्ट सीरीज की हार के बाद लगातार हो रही आलोचना की वजह से कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने रूट के फैसले का सम्मान करते हुए बेन स्टोक्स को टेस्ट का नया कप्तान चुना। वहीं क्रिस सिल्वर वुड के कोच पद से इस्तीफा देने के बाद न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम को टीम का नया टेस्ट कोच चुना गया है। कप्तान और कोच दोनों ही टीम के साथ अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। बेन स्टोक्स (कप्तान), जानी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्राड, हैरी ब्रुक, जैक क्राउले, बेन फोक्स, जैक लीच, एलेक्स लीस, क्रेग ओवरटन, ओली पोप, मैथ्यू पोट्स, जो रूट।

आलोचनाओं को लेकर ईशान किशन ने तोड़ी चुप्पी, खराब फॉर्म पर दिया यह जवाब

नई दिल्ली । आईपीएल में सबसे महंगे बिकने वाले ईशान किशन उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए। ईशान किशन को मुंबई इंडियंस ने 15 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा था। लेकिन उन्होंने 13 मुकाबलों में 30.83 की औसत से सिर्फ 370 रन ही बनाए। अब इसको लेकर लगातार ईशान किशन पर सवाल उठ रहे हैं। इसी को लेकर ईशान किशन ने अब चुप्पी तोड़ी है। ईशान किशन ने साफ तौर पर कहा है कि वह अपने फॉर्म से चिंतित नहीं है और इस दौड़ से बड़े-बड़े खिलाड़ियों को भी जूझना पड़ता है। आपको बता दें कि 5 बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस इस बार लगातार 9 हार के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी थी। ईशान ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तीन रन से मिली हार के बाद कहा कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी जूझना पड़ा है। मैने क्रिस गेल को भी जमने में समय लेते देखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हर दिन नया है और हर मैच नया है। कई बार अच्छी शुरूआत मिलती है और कई बार विरोधी

गेंदबाज तैयारी के साथ उतरते हैं। बाहर जो लोग चाहते हैं, ड्रेसिंग रूम के भीतर की रणनीति उससे इतर होती है। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि क्रिकेट में कभी यह सुनिश्चित नहीं होता कि आपकी एक ही भूमिका है और आप मैदान पर उतरते ही गेंद को पीटने लगोगे। यदि आप टीम के बारे में सोचे तो अपनी भूमिका स्पष्ट होनी जरूरी है। राहुल त्रिपाठी के 44 गेंद में 76 रन के बाद उमरान मलिक की शानदार तेज गेंदबाजी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद इंडियन प्रीमियर लीग के 'करो या मरो ' के मैच में मुंबई इंडियंस को तीन रन से हराकर प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखी। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर छह विकेट पर 193 रन बनाये। त्रिपाठी ने अपनी पारी में नौ चौके और तीन छक्के जड़कर सत्र में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया। प्रियम गर्ग (42) और निकोलस पूरन (38) ने उनका बखूबी साथ निभाया। जवाब में मुंबई की टीम आठ विकेट पर 190 रन ही बना सकी। मलिक ने तीन ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 19वां ओवर मैडन डाला और चार ओवर में सिर्फ 26 रन देकर एक विकेट लिया।

उमरान मलिक को मोहम्मद अजहरुद्दीन ने क्यों पेस से समझौता ना करने की दी सलाह

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद के तूफानी गेंदबाज उमरान मलिक अपनी फास्ट बॉलिंग के चलते सुर्खियों में हैं. वह जिस गति से बॉलिंग करते हैं उसे देखकर क्रिकेट के दिग्गज हैरान हैं. इस सत्र में उन्होंने हैदराबाद को कई मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई. उमरान को भविष्य का स्टार गेंदबाज माना जा रहा है. आईपीएल 2022 में वह 157 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी कर चुके हैं. उनकी तेज गेंदबाजी से पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन काफी प्रभावित हैं. उन्होंने उमरान को स्पीड से समझौता ना करने की सलाह दी है. लेकिन पूर्व कप्तान का मानना है कि उमरान को अपनी बॉडी के बारे में सोचने की जरूरत है. क्रिकट्रैकर से बात करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा, 'क्रिकेट बिरादरी और फैंस चाहते हैं कि उमरान मलिक 160 किमी से

ज्यादा की स्पीड से बॉलिंग करें. लेकिन उन्हें अपनी बॉडी के बारे में सोचने की जरूरत है.' अजहर के मुताबिक, 'इतनी तेज गति से बॉलिंग करना आसान नहीं है. अगर आप इतनी स्पीड से लगातार गेंद कर रहे हैं तो बल्लेबाजों को आपकी गति की आदत हो जाएगी. जैसा की उनके प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है. क्योंकि उन्होंने काफी रन दिए हैं. आप हमेशा तेज गति से बॉलिंग नहीं कर सकते. आपको सटीक गेंदबाजी करने की जरूरत है.' आईपीएल 2022 में उमरान मलिक 13 मैचों में अब तक 21 विकेट ले चुके हैं. वह इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं. इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में उमरान मलिक का बेस्ट प्रदर्शन 25 रन देकर 5 विकेट आउट करना रहा. इसके अलावा वह मैच में एक बार 4 विकेट भी ले चुके हैं. सनराइजर्स हैदराबाद को अभी एक मैच और खेलना है. जिसके चलते उमरान की विकेटों की संख्या में इजाफा हो सकता है. हालांकि अनुभव की कमी के चलते उमरान इस दौरान काफी महंगे साबित हुए. सनराइजर्स हैदराबाद की प्लेऑफ में पहुंचने की राह आसान नहीं है. अगर केन विलियमसन की टीम आखिरी मैच जीत भी लेती तो उसे कोई चमत्कार ही अंतिम चार में पहुंचा सकता है.

हैदराबाद की टीम नेट रन रेट के मामले में बाकी टीमों से काफी पीछे है. विलियमसन के नेतृत्व में सनराइजर्स ने अब तक 13 मैच खेले हैं जिनमें 6 जीते और 7 हारे हैं. 12 अंकों के साथ टीम अंकतालिका में 8वें स्थान पर है.

वीवीएस लक्ष्मण होंगे घरेलू टी20 सीरीज में टीम इंडिया के कोच?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 घरेलू सीरीज और आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया का कोच बनाया जा सकता है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई भारत और दक्षिण अफ्रीका व इंग्लैंड दौरे के लिए दो अलग-अलग टीमों का चयन कर सकती है. राहुल द्रविड़ टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे वहीं वीवीएस लक्ष्मण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ और आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में कोच की भूमिका निभा सकते हैं. वेबसाइट इनसाइड स्पोर्ट के मुताबिक बीसीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, ' हमें अब बर्मिंघम टेस्ट से पहले 24 जून को लीस्टरशायर के खिलाफ अभ्यास मैच खेला है. राहुल द्रविड़ 15 या 16 जून को टीम के साथ रवाना होंगे. हम वीवीएस लक्ष्मण से भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शामिल होने के लिए कहेंगे.' रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है. चेतन शर्मा की अगुआई वाली चयन समिति युवाओं को मौका देना चाहेगी. इस सीरीज में दिनेश कार्तिक और हार्दिक पंडया को भी मौका दिया जा सकता है जबकि अनुभवी शिखर धवन को टीम की कमान सौंपी जा सकती है. इससे पहले पिछले साल भी बीसीसीआई ने दो टीमों का चयन किया था. एक टीम श्रीलंका में मेजबान टीम के साथ लिमिटेड ओवर की सीरीज खेल रही थी वहीं दूसरी टीम इंग्लैंड में थी. श्रीलंका दौरे पर धवन को टीम की कमान सौंपी गई थी. अनुभवी रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आराम दिया जा सकता है. ये सभी खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होंगे. घरेलू टी20 सीरीज में ओपनर ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, पेसर उमरान मलिक और जितेश शर्मा को मौका मिल सकता है.

एक नजर

बंगाल के लिए नहीं खेलना चाहते रिद्धिमान साहा, कैब अधिकारी के कमेंट से नाराज विकेटकीपर ने मांगी एनओसी

नई दिल्ली। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा को हाल में बंगाल की रणजी टीम में शामिल किया गया था। बंगाल को 6 जून को झारखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलना है। हालांकि साहा अब बंगाल क्रिकेट को छोड़ने पर विचार कर रहे हैं, इसके लिए उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की मांग की है। समाचार एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि 37 साल के साहा CAB अधिकारी के कमेंट से नाराज चल रहे हैं। सूत्रों ने साथ ही यह भी बताया कि साहा ने कहा है कि नॉक आउट मैच के लिए टीम का ऐलान करने से पहले उनसे संपर्क नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि साहा ने CAB के अध्यक्ष अविषेक डालमिया से बात की है और बंगाल क्रिकेट टीम छोड़ने के लिए उनसे NOC मांगी है। सूत्र ने कहा, उन्हें अब बंगाल क्रिकेट के लिए खेलने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने एनओसी मांगी है क्योंकि वह सीएबी के अधिकारी (संयुक्त सचिव देवव्रत दास) से बहुत नाराज हैं, जिन्होंने उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया है। साहा चाहते हैं कि अधिकारी सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें। नेशनल टीम के लिए चयन से मना किए जाने के बाद साहा ने रणजी ट्रॉफी के लीग चरण में नहीं खेलने का फैसला किया था। वह इस समय आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और तीन अर्धशतकों की मदद से अबतक 281 रन बना चुके हैं। बंगाल टीम की कमानी अभिमन्यु ईश्वरन के हाथों में है। साहा के अलावा इस टीम में पश्चिम बंगाल के खेल राज्य मंत्री मनोज तिवारी को भी शामिल किया गया था।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कोहली को बताया परिवार का हिस्सा, कहा- मैं अगर हमारे विराट कहता हूं, तो गलत नहीं हूं

नई दिल्ली । पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने हाल ही में काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन 2 में भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ ड्रेसिंग रूम में समय बिताया था। अपने-अपने देश के दोनों स्टार क्रिकेटर इस टूर्नामेंट में ससेक्स टीम का हिस्सा थे। दोनों ने डरहम के खिलाफ मैच में साथ मिलकर 154 रन की साझेदारी भी की थी। इसके बाद रिजवान ने पुजारा की जमकर तारीफ की थी और उनके बल्लेबाजी के कसीदे पढ़े थे। रिजवान ने अब कहा है कि उन्होंने पुजारा के साथ मैदान और उसके बाहर एक अच्छा समय बिताया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दुनियाभर के क्रिकेटर एक बड़े परिवार का हिस्सा हैं। आईसीसी ने रिजवान के हवाले से कहा, मेरा विश्वास कीजिए, मुझे इस बारे में कभी भी अजीब नहीं लगा। मैंने उसके साथ मस्ती-मजाक भी किया। वह एक अच्छे इंसान हैं और उनकी एकाग्रता और ध्यान अवास्तविक है। आप उनसे कुछ सीख सकते हैं तो आपको इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। रिजवान ने क्रिकेट बिरादरी की बात करते हुए कहा, -क्रिकेट बिरादरी हमारे लिए परिवार की तरह है। लेकिन, आप पाकिस्तान के लिए खेल रहे हैं और आपका अपाना भाई ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहा है तो आप उसे आउट करना चाहेंगे, क्योंकि आप वहां अपने देश के लिए खेल रहे हैं।। लेकिन वह लड़ाई सिर्फ क्रिकेट के मैदान तक ही होती है, उसके बाहर हम सब एक परिवार की तरह हैं। पाकिस्तानी क्रिकेटर ने आगे कहा, अगर मैं कहता हूं हमारे विराट कोहली या हमारे पुजारा, हमारे स्मिथ या हमारे रूट, तो मैं गलत नहीं हूं क्योंकि हम सभी एक परिवार हैं।

इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम के नए हेड कोच का ऐलान, इस दिग्गज को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली । इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आज घोषणा की कि बोर्ड ने मैथ्यू मॉट को इंग्लैंड मेन्स व्हाइट-बॉल हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। 48 वर्षीय मॉट ने चार साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अगले महीने एम्स्टर्डम में नीदरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले वे टीम के साथ जुड़ जाएंगे। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन, इंग्लैंड के मेन्स क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की, रणनीतिक सलाहकार एंड्रयू स्ट्रॉस और प्रदर्शन निदेशक मो बोबाट के चयन पैनल ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि वह प्रतिस्पर्धी साक्षात्कार प्रक्रिया के दौरान भूमिका के लिए सबसे बेहतरीन उम्मीदवार थे। मॉट ने 2015 से ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाली हुई थी। उन्होंने अपने सात वर्षों के कार्यकाल के दौरान ऑस्ट्रेलिया को कई बड़े टूर्नामेंट जिताने में अहम भूमिका निभाई। उनके कोचिंग के नेतृत्व में वुमेंस ऑस्ट्रेलिया टीम ने लगातार ICC T20 विश्व कप, इस साल का ICC महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है और चार एशेज सीरीज अपने नाम की हैं। मॉट ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार 26 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने में भी मदद की है, जो पुरुषों या महिलाओं के खेल में एक रिकॉर्ड है। 2015 में ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं के साथ अपना पद संभालने से पहले मॉट ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच के रूप में काम किया। उनकी कोचिंग में 2009 में चैंपियंस लीग टी20 टूर्नामेंट में टीम को जीत मिली थी। इसके बाद उन्होंने ग्लैमरगन को ट्रेन किया था। इसके अलावा 2015 आईसीसी मेंस विश्व कप के दौरान वह आयरलैंड के साथ भी सलाहकार के रूप में जुड़े थे। इस तरह इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम और वनडे और टी20 टीम के हेड कोट मैथ्यू मॉट होंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद का साथ बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे कप्तान केन विलियमसन

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को अगले मैच में अपने नियमित कप्तान की सेवाओं के बगैर खेलना पड़ेगा. दरअसल केन विलियमसन दूसरी बार पिता बनने वाले हैं जिसके चलते वह स्वदेश लौट गए हैं. इसकी पुष्टि खुद सनराइजर्स हैदराबाद ने की है. मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में सनराइजर्स ने जीत दर्ज की थी. अब 22 मई को सनराइजर्स की टीम 15वें सीजन का आखिरी मुकाबला पंजाब के खिलाफ खेलेगी. यह आईपीएल 2022 के सत्र का आखिरी मैच होगा. सनराइजर्स हैदराबाद ने खुद विलियमसन के आखिरी मैच में उपलब्ध न होने की पुष्टि की. फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'हमारे कप्तान केन विलियमसन अपने परिवार में नए सदस्य के जुड़ने के लिए न्यूजीलैंड जा रहे हैं. सनराइजर्स खेमे में हर कोई केन विलियमसन की पत्नी की सुरक्षित 'डिलिवरी' और उनके लिए अपार खुशियों की कामना कर रहा है.' 17 मई को सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में 3 रन से जीत दर्ज की. इस जीत के जरिए टीम ने प्लेऑफ में जाने की उम्मीद बनाए रखी है. लेकिन सनराइजर्स की अंतिम चार में पहुंचने की राह बहुत मुश्किल है. क्योंकि टीम नेट रन रेट के मामले में दूसरी टीमों से काफी पीछे है. ऐसे अगर वह पंजाब किंग्स से अपना मुकाबला जीत भी जाती है तो उसे बाहर ही रहना होगा. केन विलियमसन की कप्तानी में सनराइजर्स ने 13 मैच खेले जिनमें 6 जीते और 7 हारे. 12 अंकों के साथ टीम अंकतालिका में 8वें नंबर पर है.

बांग्लादेश के लिए ऐसा करने वाले पहले टेस्ट बल्लेबाज बने मुशफिकुर रहीम, तमीम इकबाल छूटे पीछे

नई दिल्ली । बांग्लादेश के सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन लंच ब्रेक तक 85 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 5000 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। मुशफिकुर ने 81वें टेस्ट की 149वीं पारी में यह कारनामा किया है। बांग्लादेश की ओर से 5000 टेस्ट रन बनाने वाले मुशफिकुर पहले बल्लेबाज हो गए हैं। उनके बाद दूसरे नंबर पर तमीम इकबाल हैं, जिनके खाते में फिलहाल 4981 रन हैं। मुशफिकुर से पहले तमीम इस आंकड़े को छूने के बहुत करीब थे, लेकिन मैच के तीसरे दिन क्रैम्प के चलते उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। तमीम उस समय 133 रन बनाकर खेल रहे थे। तमीम ने अगल 19 रन और बना लिए होते तो उनके 150 रन इस पारी में हो जाते और वह मुशफिकुर से पहले 5000 रनों का आंकड़ा भी छू लेते। इन दोनों के बाद तीसरे नंबर पर शाकिब अल हसन का नंबर आता है। शाकिब के खाते में अभी कुल 4029 रन दर्ज हैं, और वह फिलहाल इन दोनों से काफी पीछे हैं। यही तीन बल्लेबाज ऐसे हैं, जिन्होंने बांग्लादेश की ओर से 4000 से ज्यादा रन बनाए हैं। मैच की बात करें तो बांग्लादेश ने लंच ब्रेक तक तीन विकेट पर 385 रन बना लिए थे। लंच ब्रेक के बाद लिटन दास 88 रन बनाकर आउट हुए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भ्रष्ट अभियंता

करोल बाग जोन, भवन विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

अवैध निर्माण की काली कमाई से अभियंता से उपायुक्त तक बने "अडानी"

उ.दि.न.नि के मुख्य सतर्कता अधिकारी मंगेश कश्यप बने मूक दर्शक कब तक चलता रहेगा भ्रष्टाचार का खेल

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग जोन में बिल्डर माफिया का राज सारे वार्ड बनते जा रहे है स्लम युक्त हर वार्ड में चार से पांच मंजिला, बेसमेन्ट सहित अवैध निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है। अभियंताओं की काली कमाई चल-अचल व बेनामी सम्पत्ति की श्रीमान निदेशक जी, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग।

अध्यक्षः अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....